दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

गांधी टॉक्स का ट्रेलर रिलीज........

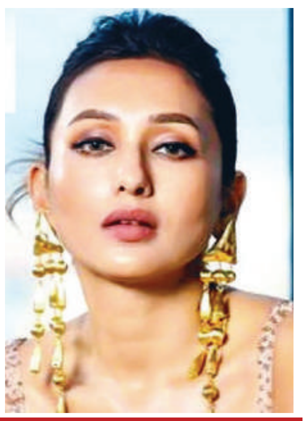

स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान ....

वर्ष : 12 | अंक : 37 | लखनऊ, 29 जनवरी, गुरूवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

धनबाद की कोयला खदान में 50 मजदूर दबे

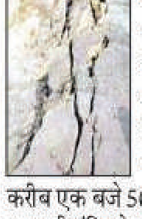

धनबाद। गलफरबाड़ी सन्यासी मंदिर के समीप जंगल में चल रही कोयले की अवैध कुआंनुमा तीन खदान मंगलवार की देर रात धंस गई। इसमें दबकर कई लोगों के मरने की आशंका है। लोगों ने बताया कि रात करीब एक बजे 50 से 60 मजदूर सन्यासी मंदिर के पास जंगल में खदान संचालक शक्ति की खदान में घुस कर अवैध ढंग से bs कोयला काट रहे थे।

बरेली से बाहर गए निलंबित अफसर अग्निहोत्री

बरेली। यहां निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार दोपहर 2:18 बजे निजी वाहन से बरेली से बाहर ले जाया गया है। इस दौरान उनके समर्थकों में जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिला। समर्थकों ने अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। लेकिन पुलिस और प्रशासन ने बाहर भेज दिया।

द्वारका कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

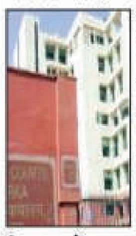

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित द्वारका अदालत को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद बुधवार सुबह अदालत परिसर में अफरा-तफरी मच गई। इलाके को खाली करा लिया गया। पुलिस ने बताया कि बाद में यह सूचना अफवाह साबित हुई। पुलिस के अनुसार, अदालत परिसर को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल सुबह करीब साढ़े नौ बजे मिला था।

चंडीगढ़ में स्कूलों में बम रखे होने की धमकी

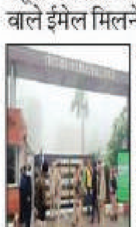

चंडीगढ़। यहां बुधवार को कुछ स्कूलों को बम रखे होने की धमकी वाले ईमेल मिलने के बाद उन्हें खाली कराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ईमेल की जानकारी मिलने के बाद पुलिसकर्मी स्कूल परिसरों में पहुंचे और गहन तलाशी शुरू की। छात्रों और कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया गया है और स्कूलों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बृजभूषण से मिलने 900 किमी पैदल चले हेमंत

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के हेमंत सूर्यवंशी ने प्रेम, श्रद्धा और समर्पण की एक अनोखी मिसाल पेश की है। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के प्रति अपने स्नेह और सम्मान के चलते हेमंत मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश के विश्नोहरपुर तक करीब 900 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर पहुंचे। बृजभूषण के बड़े बेटे विधायक प्रतीक ने उनका जोरदार स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने मित्र देशों से आए कैडेट्स और अधिकारियों का अभिनंदन किया

महिला कैडेट्स की संख्या उत्साहवर्धक, यह युवा शक्ति को बना रहा आत्मविश्वासी और समर्पित

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

करियप्पा परेड ग्राउंड में वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी एक ऐसा आंदोलन है जो भारत के युवाओं को अनुसासित बनाता है

14 से बढ़कर 20 लाख हो चुकी एनसीसी कैडेट्स की संख्या

नई दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी एक ऐसा आंदोलन है जो भारत के युवाओं को आत्मविश्वासी, अनुशासित और राष्ट्र के प्रति समर्पित संवेदनशील नागरिक बनाता है। मैं यहां मौजूद सभी कैडेट्स और मित्र देशों से आए कैडेट्स और अधिकारियों का अभिनंदन करता हूं। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। यह एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है। अनुशासित बनाता है। संवेदनशील बनाता है और राष्ट्र के लिए समर्पित बनाता है। बीते वर्षों में कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो चुकी है। भावी नीतियों और युवाओं से किए गए आह्वान को रेखांकित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैंने लाल किले से कहा था- यही समय है, सही समय है। हमारे देश के युवाओं के लिए आज का ये समय सबसे ज्यादा अवसरों का समय है। सरकार का प्रयास है कि इस कालखंड का अधिक से अधिक लाभ हमारे युवाओं को मिले।

> मैंने कहा था- यही समय है, सही समय है

> एनसीसी की रैली में पीएम मोदी ने इसे बताया आंदोलन

लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पीएम नरेंद्र मोदी

यूरोपियन यूनियन के साथ गेम चेंजर डील

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया युवा भारत के युवाओं की तरफ बहुत भरोसे से देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया के इस भरोसे का कारण है- युवाओं के स्किल और संस्कार। उन्होंने यूरोपीय संघ के साथ हुई 'मदर ऑफ ऑल डील्स' का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा, यूरोपियन यूनियन के साथ जिस एग्रीमेंट पर सहमति बनी है, दुनिया इसकी प्रशंसा, मदर ऑफ ऑल डील्स के रूप में कर रही है।

नागरिक कर्तव्य को प्राथमिकता दें

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अर्थ सिर्फ आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि एक नागरिक के रूप में हमारा आचरण कैसा हो, ये भी विकसित भारत का महत्वपूर्ण पहलू है। एक नागरिक के रूप में हमें अपने कर्तव्य को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देनी है।

देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, वो युवा-शक्ति के सामने हर रुकावट को दूर कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश के सामने बढ़ते ये अवसर, एनसीसी से जुड़े आप सभी युवाओं में ये संस्कार, ये अनुशासन, आपके लिए तो जैसे ये सोने पर सुहागा है। आपने यहां ऑपरेशन सिंदूर पर शानदार झांकी निकाली है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के सामर्थ्य को, हमारी सेना के शौर्य को एक बार फिर से स्थापित किया है। सेना की कार्रवाई ने हमें ये दिखाया कि हमारे स्वदेशी हथियार कितने एडवांस और हाइटेक हैं। आज कल के आधुनिक युग में युवा कौशल की भूमिका काफी बढ़ गई है। आज लड़ाई कई मोर्चों पर लड़ी जाती है। आज की लड़ाई कोड में भी होती है, क्लाउड में भी होती है।

आर्य वैद्यशाला चैरिटेबल हॉस्पिटल के शताब्दी समारोह में कहा

आयुर्वेद में आधुनिक टेक्नोलॉजी और एआई का इस्तेमाल जरूरी

प्रधानमंत्री ने कहा कि बदलते समय के साथ तालमेल बिठाते हुए आयुर्वेद में आधुनिक तकनीक और एआई का उपयोग बढ़ाना जरूरी है। वे केरल में आर्य वैद्यशाला चैरिटेबल हॉस्पिटल के शताब्दी समारोह को वर्चुअल माध्यम से माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने यह सिद्ध किया है।

मरीजों तक प्रभावी सेवाएं पहुंचाईं

पीएम मोदी ने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने आयुर्वेद की प्राचीन परंपराओं को सहेजते हुए आधुनिक आवश्यकताओं को अपनाया, उपचार पद्धतियों को सुव्यवस्थित किया और मरीजों तक प्रभावी सेवाएं पहुंचाईं। उन्होंने संस्थान की 125 वर्षों की यात्रा का उल्लेख भी किया।

भारत की उस उपचार परंपरा का जीवंत प्रतीक बना

पीएम मोदी ने कहा कि केरला की आर्य वैद्यशाला, भारत की उस उपचार परंपरा का जीवंत प्रतीक है, जिसने सदियों से मानवता की सेवा की है। भारत में आयुर्वेद किसी एक काल या एक क्षेत्र में सीमित नहीं रहा। हर दौर में चल रहा।

चैरिटेबल हॉस्पिटल 100 वर्षों से सेवा कर रहा

उन्होंने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने ये भरोसा अपने काम से बनाया है। जब लोग कष्ट में होते हैं, तो आप सभी उनके लिए बहुत बड़ी उम्मीद बनते हैं। चैरिटेबल हॉस्पिटल 100 वर्षों से नलोगों की सेवा में जुटा है।

नबीन ने रोजगार भ्रष्टाचार मुद्दे पर कहा

पहले नौकरी के लिए बंगाल आते थे लोग अब दूसरे राज्य जा रहे

भाजपा अध्यक्ष ने ममता सरकार को घेरा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दुर्गापुर में एक बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बंगाल कारोबार का कब्रगाह बन चुका है। ममता बेनर्जी ने लोगों से वादा किया था कि बंगाल में उनकी सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। ममता ने बंगाल में उद्योग स्थापित करने का सपना दिखाया था, लेकिन वह साकार नहीं हुआ. जिस सिंगूर के लोगों ने उन्हें सत्ता तक पहुंचाया, जहां आंदोलन हुआ। अब वहां के लोग दुखी हैं, क्योंकि वहां कुछ भी विकसित नहीं हुआ है। ममता पर हमला करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि मैं आपको बता दूं, बंगाल की जनता ने आपके द्वारा पैदा की गई अराजकता से तंग आ चुकी है। जनता अब आपके खिलाफ आवाज उठाना शुरू कर दिया है। अब वह दिन दूर नहीं, जब आप सत्ता से बाहर होंगी।

विकास के साथ खड़ी भाजपा

दुर्गापुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जब मैं इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था, तब दुर्गापुर के औद्योगिक क्षेत्र में नौकरी की तलाश में अलग-अलग जगहों से युवा आते थे। अब इस शहर के युवा नौकरी की तलाश में दूसरे राज्यों में जा रहे हैं। नितिन नबीन ने कहा कि ममता बेनर्जी की सरकार सत्ता में केवल युवाओं को उद्योग स्थापित करने का सपना दिखाया, उसे साकार करने का कोई प्रयास नहीं हुआ। नितिन नबीन ने कहा कि हमने देखा है कि दुर्गापुर में किस तरह बर्बाद किया गया हैं। भाजपा बंगाल के विकास में आपके साथ खड़ी रहेगी। नबीन ने कहा कि मैं डीएम-एसडीओ से कह रहा हूं कि यह सरकार चार दिन की है। उनकी बातों में मत नाचो। कठपुतली मत बनो। भाजपा विकास के साथ है।

मामला हिसार के जाट परिवार के कृष्ण से जुड़ा

एग्जाम से पहले बौद्ध धर्म अपनाया और प्रमाण पत्र भी ले लिया, यह तो 'फ्रॉड' है

सीजेआई की बेंच ने नीट के लिए धर्मांतरण पर लगाई क्लास

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हरियाणा के हिसार के एक परिवार के इस दावे पर सवाल उठाया कि उन्होंने अल्पसंख्यक आरक्षण का लाभ लेने के लिए परीक्षाओं से ठीक पहले बौद्ध धर्म अपना लिया था और हरियाणा सरकार से अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने के बारे में स्पष्टीकरण मांगा। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने इस की कड़ी आलोचना की और परिवार की मंशा पर संदेह जताया। सीजेआई ने इसे एक नए तरीके का फ्रॉड बताया। यह मामला जाट परिवार के कृष्ण पुनिया के बच्चों नितिन पूनिया और एकता द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है, जो सामान्य श्रेणी में आते हैं। लेकिन प्रवेश के लिए बैद्ध धर्म का प्रमाणपत्र बनवा लिए।

मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ बयानबाजी

स्टालिन सरकार से मांगा 2 फरवरी के पहले जवाब

धार्मिक परंपरा, कानून और न्यायपालिका की मर्यादा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी आर स्वामीनाथन के खिलाफ कथित अपमानजनक बयानों और प्रदर्शनों को लेकर तमिलनाडु सरकार से 2 फरवरी तक जवाब मांगा है।

झारखंड के डेटा पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

1.6 लाख कुत्तों की नसबंदी सिर्फ 2 महीने में कैसे?

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर साफ कहा कि राज्य सरकारें सिर्फ हवा में बातें कर रही हैं। धरातल पर कोई ठोस काम नहीं दिख रहा है। कोर्ट का रुख राज्यों के प्रति बहुत सख्त नजर आया है। झारखंड के आंकड़ों ने तो कोर्ट को गुस्से से भर दिया। झारखंड सरकार ने दावा किया कि उन्होंने 1.89 लाख कुत्तों की नसबंदी की है।

बीटिंग रिट्रीट का दृश्य

नई दिल्ली। हर साल जब 26 जनवरी की परेड खत्म होने के बाद लोगों को लगता है कि गणतंत्र दिवस का जश्न पूरा हो गया। लेकिन, असल में इस उत्सव का आधिकारिक समापन बीटिंग रिट्रीट के साथ होता है। 29 जनवरी को होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह की रिहर्सल विजय चौक पर की जा रही है। इसके कारण दिल्ली में कई मार्ग बंद रहेंगे।

जनगणना 2027: ऑनलाइन पोर्टल पर भर सकेंगे जानकारी

16 भाषाओं में होगी स्व-गणना की सुविधा, मिलेगा यूनिक रेफरेंस आईडी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

आगामी जनगणना 2027 में आम नागरिकों को पहली बार सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्व-गणना) की व्यापक सुविधा दी जाएगी। इसके तहत लोग स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर जनगणना से जुड़े प्रश्नों को भर सकेंगे और जमा कर सकेंगे। यह सुविधा 16 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी और प्रत्येक परिवार को एक यूनिक रेफरेंस आईडी प्रदान की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, सेल्फ-एन्यूमरेशन की यह सुविधा हाउस लिस्टिंग (घर सूचीकरण) की शुरुआत से 15 दिन पहले उपलब्ध करा दी जाएगी। यह जानकारी हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित मुख्य सचिवों, राज्य नोडल अधिकारियों और जनगणना संचालन से जुड़े निदेशकों के सम्मेलन में साझा की गई।

ऐसे काम करेगी सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया

सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल पर लॉगिन करने के लिए मोबाइल नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। पोर्टल पर लॉगिन के बाद नागरिक जनगणना प्रपत्र में पूछे गए सभी प्रश्नों को स्वयं भरेंगे। विवरण पूरा करने के बाद एक रेफरेंस आईडी जनरेट होगी, जो पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। यह रेफरेंस आईडी क्षेत्र में आने वाले गणनाकर्मी को फील्ड विजिट के दौरान दिखानी होगी। गणनाकर्मी डेटा की जांच के बाद उसे आधिकारिक जनगणना डेटाबेस में शामिल करेगा।

16 भाषाओं में उपलब्ध होगी सुविधा

सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल पर जानकारी भरने की सुविधा असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू भाषाओं में उपलब्ध होगी।

नियमों में किया गया था संशोधन

सेल्फ-एन्यूमरेशन को संभव बनाने के लिए केंद्र सरकार ने जनगणना नियम, 1990 में मार्च 2022 में संशोधन किया था। संशोधित नियमों के तहत अब नागरिक स्वयं जनगणना प्रपत्र भरकर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

जनगणना 2027 का कार्यक्रम

जनगणना 2027 भारत की 16वीं जनगणना होगी और आजादी के बाद यह आठवीं जनगणना है। पहला चरण, हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना, 1 अप्रैल से शुरू होने की संभावना है। जबकि दूसरा चरण जनसंख्या गणना, फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। केंद्र सरकार का मानना है कि सेल्फ-एन्यूमरेशन से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनेगी, साथ ही डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को भी बल मिलेगा।

रोबोट करेंगे गाड़ियों के धुएं की जांच

'पीयूसी' में खत्म होगा फर्जीवाड़ा सेंसर और रोबोटिक्स करेंगे जांच

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिल्ली सरकार प्रदूषण जांच (पीयूसी) की पूरी व्यवस्था को बदलने की तैयारी कर रही है। अब सड़क किनारे बने छोटे बूथों की जगह बड़े और सेंट्रलाइज्ड सेंटर ले सकते हैं। सरकार 'पीयूसी 2.0' मॉडल पर काम कर रही है, जहां इंसानों की जगह टेक्नोलॉजी फैसले लेगी। सरकार का मकसद जांच में इंसानी दखल को कम से कम करना है। इसके लिए रोबोटिक्स और सेंसर आधारित तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जो रियल टाइम में गाड़ियों से निकलने वाले धुएं की जांच करेंगे। अधिकारियों का कहना है कि कमर्शियल वाहनों के लिए ऐसी व्यवस्था पहले से है।

कैग की रिपोर्ट ने खोली थी पोल

इस बदलाव की बड़ी वजह पिछले साल आई कैग की रिपोर्ट है, जिसने मौजूदा सिस्टम की धज्जियां उड़ा दी थीं। रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि लाखों डीजल गाड़ियों की जांच में उत्सर्जन की वैल्यू ही दर्ज नहीं थी। हद तो तब हो गई जब 76,000 से ज्यादा मामलों में 1 मिनट के अंदर सर्टिफिकेट जारी कर दिए गए।

सुहानी यादों के साथ उत्तरायणी कौथिग विदा

उत्तरायणी कौथिग-2026 रजत जयंती वर्ष के समापन पर लोगों ने की खरीदारी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पंद्रहवें दिन सफल आयोजन की खुशी और समापन दिवस की मायुसी लिए सम्पन्न हुआ। सुबह से ही पर्वतीय महापरिषद के पदाधिकारियों कर्मठ कार्यकर्ताओं व लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों से आगंतुको का जमावड़ा पंडित गोविन्द बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन बीरबल साहनी मार्ग स्थित कौथिग प्रागंण में एकत्रित होने लगा, जो अबतक उत्तराखण्डी खाद्य व अन्य उत्पाद नहीं खरीद पाए थे, वे अंतिम दिन होने के कारण स्टॉलों से जमकर खरीददारी करते नजर आये। मेला आयोजकों के एक ही सुर थे कि विशाल कौथिग की सतरंगी संस्कृति, उत्साही आगंतुकों के हर्षोल्लास और मेले की तमाम महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के बीच 15 दिन कैसे गुजरे पता ही नहीं चला।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेला में बुधवार को स्टार नाईट का आयोजन किया गया जिसमें मेहमान कलाकार लोकगायक राकेश खनवाल, फौजी ललित मोहन जोशी, हेमा नेगी करासी, हरू जोशी एवं लोकअभिनायक लच्छू की प्रस्तुतियों का जनमानस ने खूब लुफ्त उठाया। हेमा नेगी करासी द्वारा गाये भगवान बद्रीविशाल स्तुति, जाग नंदा पाणी का पैडल्ओं, जाग नंदा ह्यू का हिवालौ, ऊंचा डांडा कांठ मां तेरा तम्बू तड़िग्या, मेरी बामणी बामणी, धन हो तुम्हारी जजमनी गीत श्रोताओं द्वारा खूब सराहे गये। पुरस्कार एवं सम्मान की बेला में आज खेल, मेधावी, वृद्ध दंपति, गायन, नृत्य, चित्रकला, व्यंजन खानपान, निबंध, ऐपण, छपेली एवं झोड़ा इत्यादि प्रतियोगिताओं के पुरूस्कार प्रदान किये गये।

हेमा पाठक फुटबॉल खिलाड़ी को एवं 25 विशिष्ठ जनों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान हेतु रजत जयंती अवार्ड से सम्मानित किया गया। पदाधिकारियों द्वारा अध्यक्ष गणेश चन्द्र जोशी को बेस्ट अचीवर व महासचिव महेन्द्र सिंह रावत को श्रेष्ठतम परिकल्पनाकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मेले को सफल बनाने में मोहन सिंह मोना, विशन दत्त जोशी, कृपाल सिंह रावत, महेन्द्र सिंह मेहता, लक्ष्मण सिंह धामी, आनन्द भण्डारी, के एन पाण्डेय, शंकर पाण्डेय, बसन्त भट्ट, महेन्द्र पंत, गोविन्द बोरा, देवेन्द्र मिश्रा, उमेद सिंह द्योपा, ख्याली सिंह, आनन्द कपकोटी, गोपाल सिंह गैलाकोटी, हरीश काण्डपाल, पीसी पंत, एनके उपाध्याय, डॉ आरसी पंत, डीडी नयाल, सुमन रावत, मंजू पडेलिया, जानकी अधिकारी, चित्रा काण्डपाल, प्रेम सिंह फर्सवाण, कैलाश बिनवाल, सुनील किमोठी, संजय पाण्डेय, वीरेन्द्र आर्या, प्रदीप बिष्ट इत्यादि का आपार सहयोग प्राप्त हुआ। उत्तरायणी कौथिग 2026 का समापन मुख्य अतिथि विधायक ओपी श्रीवास्तव ने किया।

अवध शक्ति सम्मान से विदुषी महिलाएं सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अवध लेडिज क्लब लखनऊ के द्वारा अवध शक्ति सम्मान 2026 से कला, साहित्य, चिकित्सा के क्षेत्र मे कार्य करने वाली अवध के साहित्य और महिलाओ को सम्मानित किया गया। अर्चना गुप्ता के मंच संचालन मे कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. विद्या बिन्दु सिंह, विशिष्ट अतिथि पूर्णिमा पाण्डे ने सम्मानित किया। क्लब की अध्यक्ष ज्योति कौल ने जानकारी देते हुए बताया कि नब्बे वर्ष के उत्सव का यह पहला आयोजन है।

अवध के नवाबों और बेगमों ने महिलाओं की सहभागिता को स्वतंत्रता संग्राम मे सुनिश्चित करने और महिलाओं को घर से ही सहयोग करने की प्रेरणा के साथ इस अवध लेडिज कलब की 1936 मे इसकी स्थापना की गयी थी। जो अपने नब्बे वर्ष पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। पुरानी से लेकर वर्तमान मे महिलाओ की भागीदारी प्रत्येक श्रेत्र मे है सभी क्षेत्रों मे श्रेष्ठ प्रदर्शन भी कर रही है, जिसमे क्लब की महिलाओ की भागीदारी रहती है। अतः क्लब प्रत्येक वर्ष महिलाओ को उनकी विशिष्टता के आधार पर चयनित करके सम्मानित किया जाता है।

सचिव मनोरमा मिश्रा ने क्लब के इतिहास की जानकारी देते हुए बताया कि क्लब की साहित्यिक समाजिक, सांस्कृतिक, सभी कार्यो मे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करती है।

मीरा गर्ग को नाटय और संस्कृति क्षेत्र मे विशिष्ट योगदान, वीना चतुर्वेदी, शीला तिवारी को सामाजिक उत्थान एव चैरिटी के लिए, आशा तिवारी को सामाजिक कार्यो के साथ क्लब के प्रत्येक कार्यो मे सहयोग के लिए, दूरदर्शन आकाशवाणी के साथ सम्मानित मंचो पर लोक गायन के क्षेत्र मे सक्रिय इंदु सारस्वत को, लेखन के क्षेत्र में लेखिका डॉ किरण दयाल को विशिष्ट लेखन शैली से साहित्य मे विशिष्ट पहचान बना चुकी, चिकित्सा सेवाओं से समाज में आम जन को लाभान्वित करने के लिए अपना स्थान सभी के ह्दय मे बनाने के लिए डॉ सरोजनी सक्सेना को सम्मानित किया गया।

लालच न करने का संदेश दे गया नाटक फितूर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। संस्कृतिक निदेशालय के सहयोग से सफर फाउण्डेशन की प्रस्तुति फितूर नाटक का मंचन उद्यान भवन प्रेक्षागृह में किया गया। निर्देशन व लेखन मोहम्मद अनवर बेग ने किया।

नाटक फितूर समकालीन समाज में तेजी से बढ़ते अपराध, लालच और मानसिक विकृति पर आधारित एक सशक्त सामाजिक नाट्य प्रस्तुति है। यह कथा चार अपराधियों के एक ऐसे गिरोह की कहानी कहती है जो एक सुंदर युवती की सहायता से धनवान और प्रभावशाली लोगों को अपने जाल में फंसाता है। यह गिरोह पहले शिकार को प्रेम और आकर्षण के माध्यम से भ्रमित करता है फिर उसका अपहरण कर भारी फिरौती की मांग करता है और फिरौती मिलने के बाद भी निर्दयता से उसकी हत्या कर देता है।

कहानी में नया मोड तब आता है जब गिरोह एक युवती की चतुराई और हुस्न के सहारे एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी समझकर एक व्यक्ति को फंसा लेता है। उसे एक सुनसान फ्लैट में ले जाकर पहले से मौजूद लड़की के साथ मिलकर उसका अपहरण किया जाता है। बाद में यह रहस्य खुलता है कि वह व्यक्ति कोई बड़ा अधिकारी नहीं बल्कि एक सरकारी अधिकारी का ड्राइवर है। इस सच्चाई के सामने आने के बाद गिरोह असमंजस में पड़ जाता है और अंतत उससे कम फिरौती लेने का निर्णय करता है।

परिस्थितियों के दबाव और अपनी जान बचाने के लिए वह व्यक्ति भारी जोखिम उठाकर गिरोह की शर्त मान लेता है। किंतु जैसे-जैसे समय बीतता है अपराधियों के बीच अविश्वास लालच और स्वार्थ बढने लगता है। यही आपसी मतभेद धीरे-धीरे उन्हें एक-दूसरे का दुश्मन बना देता है। अंततः एक अप्रत्याशित घटना के बाद लालच और फितूर के कारण चारों अपराधी आपस में ही एक-दूसरे की हत्या कर देते हैं। नाटक का संदेश अत्यंत स्पष्ट है कि अपराध, नशा हनीट्रैप और त्वरित धन की लालसा अतत विनाश की ओर ही ले जाती है।

यह नाटक केवल युवाओं को ही नहीं बल्कि सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सतर्क करता है कि वे अपने पद, प्रतिष्ठा और निजी जीवन में सावधानी बरतें तथा किसी भी प्रकार के प्रलोभन छल या आपराधिक षड्यंत्र का शिकार न बनें। 'फितूर सामाजिक चेतना जागृत करने वाला, सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति है।

प्रभावी संगीत के लिए भाव होना जरूरी : प्रो. संजय सिंह

- संत गाडगे अकादमी में सम्पन्न हुआ यूपीएसएनए प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता, हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की ओर से आयोजित उल्लास उत्सव के अंतर्गत बुधवार को अकादमी के संत गाडगे जी ऑडिटोरियम में शास्त्रीय एवं सुगम की प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 2025-26 आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय सिंह मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित अकादमी के अध्यक्ष प्रो जयंत खोत, उपाध्यक्ष विभा सिंह, ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के सचिव डॉ देवेंद्र कुमार त्रिपाठी और निदेशक डॉ शोभित कुमार नाहर ने दीप प्रज्वलित किया। मुख्य अतिथि के सम्मान के बाद पुरस्कारों का वितरण किया गया। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ के सचिव, डा. देवेंद्र कुमार त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। इन सभी विशिष्ट जनों की उपस्थिति में पुरस्कारों का वितरण किया गया।

इस समारोह में डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय सिंह ने कहा कि प्रभावी संगीत के लिए केवल स्वर और लय ही काफी नहीं है। इसके लिए भाव होना भी बहुत जरूरी है। भारतीय संगीत केवल मनोरंजन के लिए नहीं है। संगीत से साधना की प्राप्ति संभव है। यहां के राग न केवल ऋतु आधारित है बल्कि उनके लिए निश्चित समय भी निर्धारित किया गया है। भारतीय संगीत साक्षी है कि इसके रागों से अग्नि प्रज्वलित की जा सकती है वहीं मेघों से बरसात करवायी जा सकती है। यही नहीं पत्थर तक पिघलाए जा सकते हैं इसलिए संगीत के नियमित रियाज की जरूरत है जिससे आप उसमें सिद्ध हो सकें। भारतीय संगीत में आधुनिक विज्ञान भी समाहित है। अच्छे संगीतज्ञ बनने के लिए जरूरी है कि आप स्वस्थ रहे और सभी व्याधियों से मुक्त रहे।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रो जयंत खोत ने इस अवसर पर बताया कि अकादमी द्वारा वर्ष 2024-25 में सम्भागीय शास्त्रीय प्रतियोगिता का स्वर्ण जयन्ती वर्ष था, जिसमें शास्त्रीय संगीत के साथ सुगम संगीत-गजल और भजन, को भी शामिल करते हुए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के 18 सम्भाग के 21 केन्द्रों पर लगभग 900 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष 2025-26 में आयोजित सम्भागीय शास्त्रीय एवं सुगम संगीत प्रतियोगिता के 18 सम्भाग के 23 केंद्रों में लगभग 1100 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों के उत्साह को देखते हुए इस साल दो नये केंद्र लखीमपुर और फरुर्खाबाद को जोड़ा गया। यह प्रतियोगिता तीन वर्गों में हुई जिसमें बाल वर्ग में उन प्रतिभागियों को शामिल किया गया था जिनकी आयु 31 जुलाई को 8 वर्ष से कम किन्तु 14 वर्ष से अधिक न हो। इस क्रम में किशोर वर्ग में 31 जुलाई को 14 वर्ष से अधिक हो किन्तु 20 वर्ष से अधिक न हो वहीं युवा वर्ग में 31 जुलाई को 20 वर्ष से अधिक हो किन्तु 25 वर्ष से अधिक न हो। इस प्रतियोगिता के गायन वर्ग में ख्याल-तराना, ध्रुपद-धमार, ठुमरी-दादरा, तंत्र वाद्यों में वीणा, सितार, सरोद, गिटार, मंडोलिन एवं संतूर, गज वाद्यों में वायलिन, सारंगी, इसराज, दिलरुबा, सुषिर वाद्य में बांसुरी, शहनाई, क्लेरीनेट, अवनद्ध वाद्य में तबला, पखावज, नृत्य में कथक, सुगम संगीत में भजन और गजल को शामिल किया गया है।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के उपाध्यक्ष विभा सिंह ने कहा कि कलाकार भारतीय संस्कृति की आत्मा को जीवित रखते हैं। यह हमें समाज से जोड़ती, विचारों को जागृत करती है और मानवीय मूल्यों को स्थापित करती है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। अकादमी परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु का महती दायित्व अदा कर रही है। कला में ही जीवन का वास्तविक उल्लास निहित है।

अनियंत्रित ट्रक ने कई गाड़ियों को रौंदा, एक गम्भीर

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई।पीजीआई गेट के पास भीषण सड़क हादसा, ट्रक ने कई गाड़ियों को रौंदा लखनऊ। पीजीआई गेट के पास स्थित श्याम मेडिकल स्टोर के सामने देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। बताया जा रहा है कि एक बेकाबू ट्रक चालक ने सड़क किनारे खड़ी कई गाड़ियों को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में कार संख्या टढ 20 उ 6173, वढ 32 दढ 2196 और वढ 32 ऋट 1745 क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि एक बाइक कार के नीचे दब गई। इसके अलावा वढ 56 व 9849 नंबर की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हुई है। ट्रक चालक का नाम राजेंद्र कुमार निवासी उन्नाव जनपद का बताया जा रहा है। फिलहाल घायलों की संख्या और कुल नुकसान का आकलन किया जा रहा है।एस क्रॉस कार एच आर 26 डीसी 4348 इसमें सवार प्रवीण कुमार मिश्र, गौरव यादव के साथ मरीज रितेश उपाध्याय व उनकी पत्नी पूजा उपाध्याय कर में ही बैठे थे जबकि प्रवीण और गौरव बाहर सड़क किनारे दवा खरीद रहे थे इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी गाड़ी में पीछे से जोरदार ट्रैक्टर मार दी गनीमत रही की कार सवार पति पत्नी दोनों सुरक्षित हैं। रितेश उपाध्याय वृंदावन योजना सेक्टर 12 में रहते हैं।

सरोजनीनगर में मैत्रीपूर्ण क्रिकेट प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनग, लखनऊ। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) लखनऊ द्वारा सरोजनी नगर में मैत्रीपूर्ण क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लखनऊ टर्मिनल और उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय की टीमों ने हिस्सा लिया। मुकाबले में दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए एक-एक मैच जीतकर प्रतियोगिता को बराबरी पर समाप्त किया। इस आयोजन का नेतृत्व उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय के महाप्रबंधक (ऑपरेशन) राजेश कुमार तथा लखनऊ टर्मिनल के उप महाप्रबंधक गौरव देव ने किया। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस टूनार्मेंट में संचालन विभाग और बिक्री विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मैच के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में पारस मणि, शाहरुख अली, कुमार मंगलम और भीम सिंह यादव के शानदार प्रदर्शन को विशेष रूप से सराहा गया। इन खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही क्षेत्रों में अहम योगदान दिया। महाप्रबंधक (ऑपरेशन) राजेश कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन कर्मचारियों के बीच आपसी सहयोग, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देते हैं। वहीं उप महाप्रबंधक गौरव देव ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन संगठनात्मक एकता को मजबूत करते हैं। उत्तर प्रदेश राज्य संचालन प्रमुख, राज्य अधिकारियों और लखनऊ टर्मिनल के लोकेशन इंचार्ज के मार्गदर्शन में आयोजित यह प्रतियोगिता पूरी तरह सफल रही और कर्मचारियों के बीच सहयोग व एकता का संदेश दिया।

मलिहाबाद में तोड़फोड़ के खिलाफ व्यापारियों का विरोध, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते व्यापार मंडल के लोग

लखनऊ। मलिहाबाद कस्बे के बाजार क्षेत्र में दुकानों एवं आवासीय मकानों पर की जा रही ध्वस्तीकरण कार्रवाई को लेकर व्यापारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में बुधवार को मलिहाबाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी मलिहाबाद अंकित कुमार को एक ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन व्यापार मंडल के अध्यक्ष आशीष गुप्ता एवं महामंत्री जीशान वली के नेतृत्व में सौंपा गया। इसमें कहा गया कि नगर पंचायत द्वारा की जा रही तोड़फोड़ की कार्रवाई से व्यापारियों और आम नागरिकों में भय एवं असुरक्षा का माहौल बन गया है। बाजार क्षेत्र में वर्षों से स्थापित दुकानों और आवासीय मकानों से सैकड़ों परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। व्यापारियों का आरोप है कि बिना पूर्व सूचना और किसी वैकल्पिक व्यवस्था के की जा रही कार्रवाई से सामाजिक एवं आर्थिक असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि व्यापार मंडल विकास का विरोध नहीं करता, लेकिन विकास की आड़ में जनजीवन को प्रभावित करना अनुचित है। व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की कि जब तक सभी प्रभावित लोगों से संवाद स्थापित कर सहमति नहीं बन जाती, तब तक किसी भी प्रकार की ध्वस्तीकरण कार्रवाई न की जाए। साथ ही प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कानूनसम्मत एवं न्यायपूर्ण निर्णय लेने की अपील की गई।

फीनिक्स मॉल में शॉपिंग करने गई महिला का एटीएम कार्ड चोरी

खाते से निकल गए 40 हजार रुपये

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित फिनिक्स माल में शॉपिंग करने गई महिला का एटीएम कार्ड चोरी कर खाते से 40 हजार रुपये निकल लिए गए। जिसकी जानकारी होने पर पीड़िता ने मॉल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत की आशंका जता स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली में पुलिस से लिखित शिकायत की है। अमन कालोनी दुबग्गा निवासी नाहिद यूसुफ पत्नी अहमद यूसुफ ने बताया कि वह 9 जनवरी की शाम कृष्णा नगर कोतवाली इलाके तो हमको मालूम पासवर्ड दूसरा कैसे मालूम उसका नंबर किसी और को कसेस्थित फिनिक्स मॉल में शॉपिंग करने गई थी। आरोप है कि जहां उसने 233 रुपये का भुगतान किया। इसके बाद जब उसने अपना पर्स चेक किया, तो उसका एटीएम कार्ड गायब था। जिसपर उसने तुरंत अपने बैंक खाते की जांच की तो पता चला कि उसके खाते से 40 हजार रुपये फीनिक्स यूनाइटेड मॉल के निकट स्थित एसबीआई एटीएम मशीन से निकाले गए हैं, जो पुलिस चौकी से मात्र 50 मीटर की दूरी पर है। जिसके चलते उसने मॉल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत की आशंका जता स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली में पुलिस से लिखित शिकायत की है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

राजकीय हाईस्कूल बघौली में उत्साहपूर्ण वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज।क्षेत्र के अंतर्गत स्थित राजकीय हाईस्कूल बघौली में बुधवार को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल छात्र-छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मंच बना, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रति बढ़ते उत्साह और समुदाय की भागीदारी को भी रेखांकित करता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान रामदीन वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं ने मां सरस्वती की आराधना कर समारोह की शुरूआत की, जो ज्ञान और शिक्षा की देवी के प्रति उनकी श्रद्धा को दशार्ता है। अन्य विशिष्ट अतिथियों में अनिल वर्मा (प्रधानाचार्य, जवाहर लाल नेहरू इंटर कॉलेज, बहरौली), रेनू चौधरी (प्राचार्या, न्यू विजन अकादमी, सेल्हूमऊ), पूर्व प्रधान राममगन, रंजीत पासी (एडवोकेट) तथा क्षेत्र के विभिन्न उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यगण उपस्थित रहे। इन सभी ने गरिमामयी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियों ने सभी का मन मोह लिया। विशेष रूप से कव्वाली, पिरामिड निर्माण (जिसमें टीमवर्क और शारीरिक कौशल का शानदार प्रदर्शन हुआ) तथा वरिष्ठ नागरिकों के जीवन पर आधारित नाटक की अतिथियों एवं अभिभावकों द्वारा खूब सराहना की गई। इन प्रस्तुतियों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि सामाजिक संदेश भी दिए। अभिभावकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने बच्चों का हौसला बढ़ाया और कार्यक्रम को पारिवारिक उत्सव का रूप प्रदान किया। समारोह में उपस्थित सभी गणमान्यों ने विद्यालय की प्रधानाचार्या ऋचा सिंह,सहायक अध्यापिका साधना भार्गव सहित समस्त शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अंत में प्रधानाचार्या ऋचा सिंह ने सभी अतिथियों, स्टाफ, छात्रों एवं अभिभावकों का ह्रदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब और विज्ञान प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं। बच्चों को स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से आधुनिक शिक्षा प्रदान की जा रही है तथा अनुभवी शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

रहीमाबाद में टप्पेबाजी, महिला के बैग से नकदी व जेवरात चोरी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद के सर्वोदय स्कूल के पास स्थित यादव मार्केट में बुधवार को टप्पेबाजी की घटना सामने आई। अज्ञात टप्पेबाजों ने खरीदारी के दौरान एक महिला के बैग से नकदी व जेवरात चोरी कर लिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़िता अर्चना देवी पत्नी सोनू कुमार, निवासी ग्राम रामपुर गढ़ौवां थाना औरास, जनपद उन्नाव ने रहीमाबाद थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह अपनी बहन ममता को बीमार अवस्था में देखने माल के विध्दि गांव गई थीं। बुधवार दोपहर बाद वह अपने भाई गोविंद कुमार के साथ मायके लौट रही थीं। इसी दौरान उनके पति सोनू कुमार का फोन आने पर वह लोग रहीमाबाद यादव मार्केट पहुंचे, जहां जैकेट की खरीदारी की जा रही थी। खरीदारी के समय पीड़िता का बैग बाइक पर रखा हुआ था। इसी दौरान अज्ञात टप्पेबाजों ने मौके का फायदा उठाते हुए बैग खोल लिया और उसमें रखी करीब छह हजार रुपये की नकदी, चांदी की चार जोड़ी बिछिया, सोने की झुमकी तथा कुछ कपड़े चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी होते ही पीड़िता, उनके भाई और पति ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद रहीमाबाद थाने पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि पीड़िता की तहरीर प्राप्त हुई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान कर तलाश की जा रही है।

घर में सोते समय महिला शिक्षामित्र की गोली मारकर हत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। थाना असोहा क्षेत्र के ग्राम गोकुलपुर में मंगलवार देर रात हुई महिला की नृशंस हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मंगलवार रात करीब एक बजे अज्ञात व्यक्ति ने घर में सो रही श्रीकांति (40) पत्नी ओमकार पासी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के समय पूरा परिवार घर में सो रहा था। अचानक गोली चलने की आवाज से घर और आसपास के लोग जाग गए, लेकिन तब तक हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुका था।

मृतका श्रीकांति गोकुलपुर प्राथमिक विद्यालय में पिछले करीब 14 वर्षों से शिक्षामित्र के पद पर तैनात थीं। वह अपने सरल स्वभाव और पढ़ाने के तरीके को लेकर गांव और विद्यालय में अच्छी पहचान रखती थीं।

उनके परिवार में पति ओमकार पासी, 15 वर्षीय बेटा रौनक और 13 वर्षीय बेटी रिया हैं। मां की अचानक हुई हत्या से दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पति भी सदमे में है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

घटना की सूचना मिलते ही थाना असोहा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने पूरे घर और आसपास के क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने की औपचारिकता पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। घर के अंदर और बाहर से अहम सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास के रास्तों और गांव में आने-जाने वाले लोगों की जानकारी भी खंगाल रही है।

मृतका के पति ओमकार पासी पुत्र स्वर्गीय कृपाशंकर ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर थाना असोहा में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में हत्या के कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। आपसी रंजिश, पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत दुश्मनी सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं चल रही हैं। कोई इसे आपसी रंजिश से जोड़कर देख रहा है तो कोई किसी पुराने विवाद की आशंका जता रहा है। वहीं कुछ ग्रामीणों का कहना है कि महिला का स्वभाव मिलनसार था और किसी से कोई खुला विवाद नहीं था, ऐसे में हत्या की वजह समझ से परे है। गांव में दहशत का माहौल है और लोग रात में घरों से निकलने में डर महसूस कर रहे हैं। इस मामले में एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने कहा कि हत्या की घटना बेहद गंभीर है। सभी पहलुओं पर गहन जांच की जा रही है और पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद हत्या के तरीके और समय को लेकर और स्पष्ट जानकारी सामने आने की उम्मीद है

छात्र छात्राओं को दी जा रही हैं निःशुल्क शिक्षा

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी अकादमी की शुरूवात दीपक चोपड़ा ने की थी। इसकी एक शाखा पुरवा नगर क्षेत्र में संचालित हो रही है। इस केंद्र पर वर्तमान में 75 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। यह एनजीओ देश के 11 राज्यों में सक्रिय है और आधुनिक तकनीकी शिक्षा के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहा है।

फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी अकादमी की उन्नाव में 2 मई 2024 को शुरूवात की गई थी। पुरवा तहसील क्षेत्र में पुरवा, मौरावां, हिलौली और लउवा क्षेत्रों में कार्य कर रहा है, जबकि चमियानी क्षेत्र में 2 फरवरी से कक्षाएं प्रारंभ की जाएंगी।

पुरवा नगर के मोहल्ला बेगमगंज स्थित केंद्र पर प्रतिदिन तीन कक्षाएं संचालित की जाती हैं। प्रत्येक कक्षा की अवधि 2 घंटे 20 मिनट होती है। एक कक्षा में 25 छात्र अध्ययन करते हैं, जिससे कुल 75 छात्रों को एक ही स्थान पर प्रशिक्षण मास्टर टीचर दिव्या गुप्ता के द्वारा दिया जा रहा है। यहां छात्रों को एक वर्ष का अक आधारित कोर्स कराया जा रहा है, साथ ही कम्युनिकेशन स्किल्स, इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स को भी पाठ्यक्रम का अहम हिस्सा बनाया गया है। कक्षाओं में आधुनिक शिक्षण व्यवस्था अपनाई गई है। छात्र छात्राओं की पढ़ाई के लिए 10 लैपटॉप और 15 टैबलेट का उपयोग किया जाता है, जिससे छात्रों को डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण मिल सके। यहां की टीचर दिव्या गुप्ता ने बताया कि इस केंद्र में 17 वर्ष से अधिक आयु के 15 छात्रों को एक वर्षीय कोर्स में शामिल किया गया है, जबकि शेष छात्र 18 वर्ष से अधिक आयु के हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक अमित शुक्ला ने बताया कि कोर्स के दौरान 120 पाठ्यक्रम पूरे करने के बाद यदि कोई छात्र नौकरी करना चाहता है या अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहता है, तो उसे उसके अनुसार विशेष मार्गदर्शन और काउंसलिंग भी दी जाती है।

इस अकादमी के उन्नाव के नॉर्थ एरिया में संचालन के लिए अनुभवी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका है जिसमें सीनियर एरिया मैनेजर सुदीप बाजपेई, एरिया मैनेजर अदनान अहमद, क्षेत्रीय प्रबंधक अमित शुक्ला द्वारा प्रशिक्षण कार्य को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा रहा है।

संक्षेप

किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय किशोरी का शव उसके घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। यह घटना मंगलवार देर शाम बाबूखेड़ा मजरा इछौली गांव में हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, बाबूखेड़ा मजरा इछौली गांव निवासी राम नरेश की बेटी सुमन (15) ने कथित तौर पर मंगलवार देर शाम घर में दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर में कोई सदस्य मौजूद नहीं था, क्योंकि परिजन खेत और बाजार गए हुए थे। शाम को जब परिजन वापस लौटे, तो उन्होंने घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया। सुमन को आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला, जिससे उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद परिजनों ने कच्ची छत को खोदकर कमरे में प्रवेश किया, जहां सुमन का शव फंदे पर लटका देख वे सन्न रह गए। घटना की सूचना तत्काल दही थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। मृतका के परिजनों ने बताया कि सुमन ने कक्षा आठवीं तक पढ़ाई करने के बाद स्कूल जाना छोड़ दिया था। हालांकि, परिजन आत्महत्या के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बता सके। पुलिस फिलहाल इसे संदिग्ध आत्महत्या मानकर जांच कर रही है और सभी पहलुओं पर गौर कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि किशोरी किसी मानसिक दबाव या पारिवारिक समस्या से तो नहीं जूझ रही थी।

अधिवक्ता एसोसिएशन ने यूजीसी कानून के समर्थन में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बांगरमऊ उन्नाव ,तहसील परिसर में बुधवार को अधिवक्ता एसोसिएशन के सदस्यों ने एकजुट होकर यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा प्रस्तावित नए कानूनों और सुधारों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। अधिवक्ताओं ने देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कानूनी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में यूजीसी के प्रयासों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। एसोसिएशन के अध्यक्ष और पदाधिकारियों के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में कहा गया कि यूजीसी द्वारा लाए जा रहे नए नियम न केवल छात्रों के भविष्य के लिए हितकारी हैं, बल्कि इनसे कानूनी पेशे में आने वाले नए युवाओं को भी बेहतर प्रशिक्षण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। अधिवक्ताओं ने निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष जोर दिया। यूजीसी के मानकों से उच्च शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता आएगी। देश की बदलती परिस्थितियों के अनुसार कानूनों और शैक्षिक ढांचे में बदलाव आवश्यक है। नए नियमों से कानूनी प्रैक्टिस की शुरूआत करने वाले छात्रों को बेहतर बुनियादी ढांचा मिलेगा। ?ज्ञापन सौंपने के दौरान अधिवक्ता एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने तहसील परिसर में एक संक्षिप्त सभा को भी संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ता समाज हमेशा न्याय और सही नीतियों के पक्ष में खड़ा रहा है। यूजीसी के ये कदम भविष्य में एक सशक्त और शिक्षित भारत की नींव रखेंगे। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष सत्यपाल एडवोकेट, अनिल कुमार वर्मा एडवोकेट, योगेश लोधी एडवोकेट, सुनील कुमार एडवोकेट, रामसेवक पाल एडवोकेट, विनोद यादव सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

दबंगों ने खड़ी कार में लगाई आग, कार जलकर हुई खाक

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दबंगों ने आटा चक्की पर खड़ी कार में आग लगा दी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। किंतु तब तक कार आग से जलकर खाक हो गई। ग्राम जगटापुर निवासिनी सुषमा देवी पत्नी विद्यासागर कटियार द्वारा कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि उसने लखनऊ के एक दरोगा की कार महेंद्रा क्वांटो खरीदी थी। किंतु दरोगा का तबादला प्रयागराज हो जाने के चलते उसने कार अपने नाम स्थानांतरित नहीं करा पाई थी। बीते मंगलवार की रात उसकी कार उसकी आटा चक्की पर खड़ी थी। तभी करीब 12 बजे पड़ोसी गांव नसीरपुर भिक्खन निवासी दो दबंग भाइयों ने पुरानी रंजिश के चलते उसकी कार पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। जिससे कार धू-धू कर जल गई। तहरीर में कहा गया है कि कार में आग लगाने वालों

की फुटेज पंचायत घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। महिला ने पुलिस से दबंगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग उठाई है।

जनता के लिए गले की फांस बनता दिख रहा है एस आई आर

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। सरकार द्वारा चलाये गये एस आई आर फॉर्म भरने को लेकर पूरे देश में अफरा तफरी मची हुई है। जिससे लगभग सभी कार्यों में पूरी तरह से रोक लग गई है। और ये प्रक्रिया पिछले कई महीनों से चल रही है जिससे स्कूली बच्चों की पढाई लिखाई पर भरपुर असर पडा.है। एक तरफ सरकार का नारा है सभी लोग शिक्षित बनो तो वहीं दूसरी तरफ सरकार द्वारा प्रत्येक तीसरे महीने में कोई न कोई नयी योजना निकाल दी जाती है। और उसमें शिक्षक से लेकर उच्च अधिकारियों तक के ऊपर खासा दबाव डाल दिया जाता है। जिससे स्कूली बच्चों की पढाई में पूरी तरह रोक लग जाती है। और जनता को भी पूरी सुविधा नही मिल पाती है। पिछले

कई महीनों से एस आई आर फॉर्म को लेकर लगभग सभी विभागों के क्षेत्रीय अधिकारियों से लेकर उच्च अधिकारी तक पूरी तरह उसी में बिजी देखे जा रहे हैं। जिससे स्कूली बच्चों की पढाई, किसानों के कार्य व गरीब जनता के अन्य कई बार के कार्य पूरी तरह ठप्प हो गये हैं। यहां तक कि एस आई आर के चलते अब जनता को भी अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। सरकार द्वारा हर वर्ष एक नये कागज की मांग के चलते जनता पूरी तरह अस्त व्यस्त होती नजर आने लगी है। जनता का कहना है कि प्रत्येक वर्ष कागज बनवाने में ही हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं इतने कागज बनवाने के बाद भी हम जहां पहले थे वहीं पर आज भी हैं।

तीन वारंटी युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सोहरामऊ थाना पुलिस ने बुधवार को तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अलग-अलग मामलों में वांछित थे और उच्चाधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत पकड़े गए। पुलिस ने ग्राम आशाखेड़ा निवासी मुकेश को गिरफ्तार किया। मुकेश आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत वांछित था। इसके अतिरिक्त, ग्राम रुदवारा निवासी नरेश कुमार को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 (3) से संबंधित मामले में पकड़ा गया। वहीं, ग्राम रायपुर निवासी सोनू कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसका मामला विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट की अदालत में विचाराधीन है।

थाना प्रभारी अरविंद पांडेय ने बताया कि पकड़े गए तीनों अभियुक्त लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे, जिसके कारण उनके खिलाफ वारंट जारी किए गए थे। पुलिस टीम ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी

करने के बाद सभी अभियुक्तों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाली देख बिफरे मंडलीय अधिकारी, जर्जर भवन पर जताई नाराजगी

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखने के लिए बुधवार को मंडलीय टीम ने पुरवा ब्लॉक के विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कहीं दवाओं के स्टॉक में खामियां मिलीं, तो कहीं जर्जर भवन और गंदगी देख अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। टीम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चमियानी में जांची ओपीडी और लैब की व्यवस्था

मंडलीय अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर असित श्रीवास्तव और फैमिली प्लानिंग मैनेजर किन्दर लाल की टीम ने सबसे पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) चमियानी का रुख किया। यहाँ टीम ने दवाओं के स्टॉक रजिस्टर से लेकर लेबर रूम और प्रयोगशाला में होने वाली जांचों का गहनता से मिलान किया। वार्डों में साफ-सफाई का जायजा लेते हुए अधिकारियों ने मरीजों की सुविधा के लिए तत्काल निरीक्षण के दौरान गढ़ाकोला केंद्र की स्थिति देख मंडलीय टीम ने असंतोष जताया। यहाँ स्वास्थ्य केंद्र की इमारत काफी जर्जर हालत में मिली, जिससे भविष्य में हादसे की आशंका बनी रहती है। इसके साथ ही परिसर में गंदगी पाए जाने पर संबंधित स्टाफ को कड़ी फटकार लगाई गई और तत्काल सुधार की चेतावनी दी गई। मंडलीय टीम ने सीएचसी पुरवा सहित पीएचसी चमियानी, एएएम महरामऊ, त्रिपुरार पुर, तुसरौर और आयुष्मान आरोग्य मंदिर नाथी खेड़ा का भी सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया। टीम के सदस्यों ने बताया कि निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर अपर निदेशक को भेजी जा रही है। इस अवसर पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. प्रमोद कुमार, बीसीपीएम इसहाक अली, बीपीएम शिवाकांत तिवारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

माघ शुक्ल पक्ष जया एकादशी का व्रत आज

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। आचार्य ऋषि कान्त मिश्र ने बताया कि माघ शुक्ल पक्ष जया एकादशी व्रत दिनांक 29 जनवरी 2026 दिन गुरुवार को सभी सनातनी धर्मावलंबी भक्त श्रृद्धा और विश्वास से युक्त होकर मनायें। सर्व मान्य काशी विश्व पंचांग शास्त्रीय मान्यता अनुसार स्मार्त और वैष्णव जन सभी के लिए मान्य व्रत रहेगा।

तिल द्वादशी एवं प्रदोष व्रत 30 जनवरी शुक्रवार को किया जाये गा। माघी पूर्णिमा सन्त रविदास जयंती तथा व्रत तथा स्नान दान की पूर्णिमा शास्त्र सम्मत दिनांक 1 फरवरी रविवार को सभी सनातनी धर्मावलंबी भक्त श्रृद्धा और विश्वास से युक्त होकर मनायें। आज ही शुक्रोदय सायं 6/5 बजे हो जायेगा और सब प्रकार के मांगलिक कार्य शुरू हो जायेंगे तथा

माघ स्नान दान व्रत जप यम नियम आदि का विराम हो रहा है और शुक्र पश्चिम दिशा में उदय होगा। तथा प्राकृतिक परिवर्तन दिखाई देने लगेगा मौसम परिवर्तन के कारण नाना प्रकार के रोगों की उत्पत्ति होगी अतः समस्त जनमानस अपने अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

अपनी कमाई से पैसे बचाकर स्कूल को दिए ढाई लाख

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। विकास खंड के ग्राम अढौली निवासी युवा संदीप सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं उनके कृत्य की सराहना हो रही है शिक्षित होकर जब कमाई करने लगे तो आमदनी का बड़ा हिस्सा अपने बचपन के विद्यालय को देकर जो मिशाल कायम की तारीफ - ए - काबिल है

।प्रबंधक ने पूर्व छात्र के पैसे से कमरे का निर्माण कराया और 77 वें गणतंत्र दिवस पर लोकार्पण भी कराया। युवा संदीप सिंह का ताल्लुक एक सामान्य परिवार से है उनका मन बचपन से ही अपने स्कूल के विकास का सपना था कारण जब वह पढ़ते थे तब विवेक बाल विद्या मंदिर की जर्जर हालत थी उन्होंने सपने को साकार किया आमदनी से बचाकर स्कूल को ढाई लाख दिए प्रबंधक रज्जन मिश्र ने कमरे का निर्माण करा कर छात्र संदीप को सौंपा बताते चलें कि राष्ट्रीय पर्व के मौके पर युवा संदीप सिंह कमरे का लोकार्पण कर विद्यालय परिवार के सुपुर्द कर दिया। अपने छात्र की खुले दिल से तारीफ करते हुए प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार शुक्ल ने कहा आज के युवाओं के लिए संदीप प्रेरणा श्रोत हैं लोकार्पण के मौके पर प्रधान डॉ संतोष दीक्षित, रामभरोसे सिंह, मोनू शुक्ल, सत्यप्रकाश शुक्ल, प्रदीप दीक्षित आदि मौजूद रहे।

वोटर लिस्ट दुरुस्त कराने को उमड़ी भीड़, नोटिस मिलने से मतदाताओं में मची खलबली

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार तहसील मुख्यालय सहित असोहा, पुरवा और हिलौली ब्लॉकों में मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत विशेष कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को मतदाता सूची में नाम बढ़वाने और त्रुटियां ठीक कराने के लिए विकास खंड कार्यालयों में लोगों की भारी भीड़ जुटी। हालांकि, मायके पक्ष के दस्तावेज मांगे जाने और नोटिस मिलने से कई मतदाताओं में ऊहापोह की स्थिति भी देखी गई।

अभियान के दौरान उन मतदाताओं को विशेष रूप से नोटिस जारी किए गए हैं, जिनका विवरण पुरानी सूचियों से मेल नहीं खा रहा है। ग्राम बनिगांव की मालती और अश्वनी यादव ने बताया कि उन्हें वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान न होने के कारण नोटिस मिला है, जिसमें मायके पक्ष के अभिलेख मांगे गए हैं। इसी तरह कोडरा गांव की सुनीता, संगीता, रामकुमारी और योगिता को भी पिता का नाम और मायके से संबंधित अन्य विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। मजरे जमुरपुर की निवासी सीमा ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उनका नाम उनके मूल गांव की वोटर लिस्ट से हटकर पड़ोसी गांव की सूची में शामिल हो गया है। ऐसी ही तमाम तकनीकी त्रुटियों को सुधरवाने के लिए लच्छीपुर की नीरज कुमारी सहित दर्जनों मतदाता तहसील के चक्कर काटते नजर आए। खंड विकास अधिकारी संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्राप्त सभी आपत्तियों और आवेदनों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। जिन मतदाताओं को नोटिस दिए गए हैं, उनके दस्तावेजों का सत्यापन होते ही नाम संशोधित कर दिए जाएंगे। अधिकारियों द्वारा मौके पर ही निस्तारण की कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम ने दिखाई मानवता की मिसाल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव, पुरवा। अक्सर देखा जाता है कि फरियादियों को घंटों इंतजार करना पड़ता है लेकिन वही आज, पुरवा उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव ने आज दिन मंगलवार को तहसील में मानवता की एक मिसाल पेश की किया ज्ञात हो जानकारी के मुताबिक, एक वृद्ध महिला एसआईआर नोटिस की सुनवाई के लिए तहसील आई थीं, लेकिन अधिक उम्र और अस्वस्थता के कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ थीं और पार्किंग में ही गाड़ी के पास बैठी रहीं। जब उनका बेटा चैंबर में नोटिस लेकर पहुंचा और माँ की मजबूरी बताई, तो एसडीएम ने बिना देर किए अपनी कुर्सी छोड़ी और खुद चलकर पार्किंग तक चलकरआ गए और मौके पर ही उनके हस्ताक्षर लेकर प्रक्रिया पूरी की। उपजिला अधिकारी की इस सदागीको देखकर कर्मचारी व जनता दंग रह गई तथा सादगी और मानवता की मिसाल कीसभी सराहना कर रहे हैं लोगों के मुंह से यही निकल रहा है ऐसे कर्तव्य निस्ठअधिकारी बहुत ही कम मिलते हैं और इसको लेकर सभी उनकी सराहना कर रहे हैं।

बीडीओ पर 20 लाख रिश्वत मांगने का आरोप

ब्लॉक कार्यालय के बाहर महिला धरने पर बैठी, बोली- घर तक रोड बनवाने के बदले मांगे रुपए

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, के जलालाबाद विकास खंड कार्यालय के बाहर बुधवार को एक महिला ने धरना दिया। महिला ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) पर अपने घर तक सड़क बनवाने के बदले 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, बीडीओ ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है।

एसडीएम को दिया प्रार्थना पत्र

जलालाबाद थाना क्षेत्र के खंडहर गांव निवासी मालती कश्यप ने उप जिलाधिकारी के नाम प्रार्थना पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि वह टिकैत गुट की महिला जिलाध्यक्ष हैं। मालती कश्यप के अनुसार, वह बुधवार को अपने बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने जलालाबाद ब्लॉक कार्यालय पहुंची थीं। 20 लाख रुपये मांगने का आरोप ।हिला का आरोप है कि खंड विकास अधिकारी विकास किशोर ने उनसे कहा कि यदि वह ग्राम प्रधान खंडहर और ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ लिखित शिकायत करती हैं, तो उन्हें 20 लाख रुपये देने होंगे। इसके बदले उनके घर तक इंटरलॉकिंग या डामर रोड बनवा दी जाएगी।

पहले से चल रहा है सड़क निर्माण विवाद

मालती कश्यप का कहना है कि करीब एक साल पहले ग्राम प्रधान निधि से सड़क निर्माण शुरू हुआ था, लेकिन उनकी गली से ईंटें हटाकर काम रोक दिया गया। इस मामले में उन्होंने उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी, जिसके बाद जांच कमेटी गठित हुई थी। महिला ने आरोप लगाया कि जांच कमेटी में शामिल अधिकारियों ने शिकायत जारी रखने पर गंभीर परिणाम भुगतने और फर्जी मुकदमे दर्ज कराने की धमकी दी थी।

भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है। वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है। इसके बावजूद स्वस्थ गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। इसके बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को कायम रखे हुए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल

विश्लेषण

मनीष कुमार चौधरी

स्वतंत्र पत्रकार

> **देश 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है।**

जब देश 26 जनवरी, 2026 को एक और गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब हमारे संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के लगभग हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है। यह निजी हितों को साधने का माध्यम बन गई है, जबकि लीडर की सत्ता जनता के कंधों पर सवार होकर आती है। भूटान के पांचवें और वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने 2008 के राज्याभिषेक में शासन की नींव रखते हुए जो नैतिक घोषणा की, यदि उसे हर देश का शासक अपने जीवन में उतार ले तो किसी भी डूबते लोकतंत्र को संजीवनी मिल सकती है।

सुशासन की भावना पनपे

भूटान के राजा ने अपने नैतिक भाषण में कहा था- 'अपने पूरे शासनकाल में मैं आप पर राजा की तरह शासन नहीं करूंगा। मैं आपकी रक्षा एक माता-पिता की तरह, देखभाल एक भाई की तरह और सेवा एक बेटे की तरह करूंगा। मैं हमेशा दया, न्याय और समानता की भावना से दिन-रात आपकी सेवा करूंगा।' लेकिन इन बातों के उलट जैसे ही कोई भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर दृष्टिपात करता है तो यह सवाल उठता है कि कितने राजनीतिक नेता सच में ऐसे आदर्शों को मानते हैं? सिद्धांत रूप में ज्यादातर नेता इन मूल्यों के प्रति निष्ठा जताते हैं; व्यवहार में बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। तर्क दिया जा सकता है कि हमारे जैसे विशाल और विविध देश के लिए क्या ऐसा संभव है? भूटान के राजा की बातों को एक सैद्धांतिक कल्पना बताकर खारिज भी किया जा सकता है। फिर भी, सच्चाई यह है कि सुशासन की भावना की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। सीमित संसाधनों वाले एक छोटे देश का सर्वोच्च नेतृत्व ऐसे आदर्शों में विश्वास कर सकता है और उसे फलीभूत करने का प्रयास कर सकता है तो हमारा देश दूरदर्शी नेतृत्व में क्यों पीछे रहे। खासकर तब हमारे देश में ज्यादा क्षमताएं, अवसर और रणनीतिक फायदे हैं?

बदल रही हैं प्राथमिकताएं

राजनीतिक दल- जो नागरिकों और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं- ने अब तक सिर्फ चुनाव जीतने को प्राथमिकता दी है, जनता के दुख-दर्द दूर करना उनकी प्राथमिकताओं से लोप होते जा रहे हैं। चूंकि विधायिका की गुणवत्ता एक स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या पार्टियों में बेईमान उम्मीदवारों को टिकट देने से मना करने का साहस होगा, चाहे वे कितने भी चुने जाने योग्य क्यों न दिखें। वे इसके बजाय ऐसे लोगों को मैदान में उतारें जो ईमानदारी का प्रतीक हों और सार्वजनिक जीवन में नए दृष्टिकोण लाएं। हमें अपने भीतर भी झांकना होगा कि क्या हम आम नागरिक के रूप में एक बीमार चुनावी राजनीति में भी उतने ही शामिल हैं जितने राजनीतिक दल। यदि हम यथास्थिति को स्वीकार करने की हद तक गिर जाते हैं तो गणतंत्र को भी बिखरने से रोक नहीं पाएंगे। हर चुनाव में हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि पार्टियां जीतती हैं, लेकिन लोग हारते हैं। जड़ें जमाए भ्रष्टाचार, राजनीति के अपराधीकरण के कई रूप, गहरी सामाजिक-आर्थिक समानताओं की डोर और मजबूत क्यों होती जाती है। ये सवाल जस के तस रह जाते हैं कि चुनावी घोषणापत्र कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं होते।

तुष्टीकरण की राजनीति

पार्टियों के लिए बड़े-बड़े वादे करना आसान होता है, बार-बार दोहराए जाने वाले वादे फिर-फिर दोहराने का क्रम क्यों जारी रहता है। कोई भी सरकार शासन संभाले, पुरानी बीमारियां फिर से सामने आ जाती हैं। सत्ता का दुरुपयोग, औसत दर्जे का प्रदर्शन, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण अक्सर नए रूपों, डिजाइनों और रणनीतियों में फिर से पेश किया जाने लगता है। एक राजनीतिक विडंबना यह है कि वही पार्टी जब सत्ता में होती है तो लोकतंत्र को विजयी घोषित करती है; जब विपक्ष में होती है, तो इसे खतरे में बताती है। स्पष्ट है, नैतिक और अनैतिक के बीच की रेखा तेजी से धुंधली होती जा रही है। लोकलुभावनवाद की राजनीति को ही लें। यह सिर्फ वोट पाने के जरिए के रूप में क्यों इस्तेमाल की जाने लगी है। लंबे समय के विकास और वित्तीय स्थिरता की कीमत पर इसे क्यों नहीं अपनाया जाता? यह जानते हुए कि लोकलुभावन वादों की संस्कृति कार्य-संस्कृति को पंगु बनाती है। देश की जनता को बगैर कर्मठ बनाए बैठे-बिठाए बांटना एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कतई उपयुक्त नहीं है। यह नीति राज्यों की अर्थव्यवस्था को इस हद तक प्रभावित कर रही है कि विकास की योजनाएं धन के लिए तरसने लगी हैं। तात्कालिक लाभ के फेर में लगातार, बड़े पैमाने पर विकास को दांव पर लगाया जा रहा है। योग्य और ईमानदारी से अपना टैक्स चुकाने वाला खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। होते-होते वे इसे अधिकार मानने लगते हैं। कोई भी पार्टी इस सिंड्रोम से पूरी तरह से अछूती नहीं है। राजनीति के दो आम लक्षण राजनीतिक फंडिंग की अपारदर्शी प्रणालियां और भ्रम वाले अभियान जगह-जगह नजर आने लगे हैं। चुनावों में पैसे का प्रभाव अक्सर संदिग्ध वित्तीय ढांचों और गुप्त राजनीतिक गठजोड़ों में निहित होता है। उतना ही चिंताजनक एक भोला-भाला मतदाता वर्ग है, जिसे अक्सर राजनेता आधे-अधूरे सच, भावनात्मक अपीलों और झूठे वादों से धोखा देते हैं।

लोकतांत्रिक मूल्य बनाए रखें

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सदस्य होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें और उन्हें आगे बढ़ाएं। लोकतांत्रिक सुधार का काम सरकारों, राजनीतिक पार्टियों या सिस्टम पर छोड़ देते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि राजनीतिक शुचिता में कमी के बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को जिलाए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं, और यह अभी भी अपनी जगह वापस पा सकता है।

ऐसे दौर में जहां दुष्प्रचार हैरान करने वाली तेजी से सच्चाई को बिगाड़ सकते हैं, एक सशक्त राजनीतिक संस्कृति सिर्फ वांछनीय ही नहीं, जरूरी भी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक शक्ति से हमें इतनी शक्ति तो मिलती ही है कि हम ऐसा कर सकें।

चुनौती के बावजूद हासिल की बड़ी उपलब्धियां

गणतंत्र

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत देश में गणतंत्र दिवस केवल एक राष्ट्रीय उत्सव ही नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं, संविधान और राष्ट्रीय एकता का उत्सव भी है। भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ये 77 वर्ष केवल समय का मापदंड नहीं, बल्कि उस यात्रा का प्रतिबिंब है जिसमें भारत ने चुनौतियों का सामना करते हुए विकास की राह बनाई है। इस दौरान लोगों ने राजनीतिक बदलाव देखे, वहीं विकास की ओर अग्रसर योजनाएं और कार्यक्रम भी देखे। युद्ध से दो चार होना पड़ा तो अपनी परमाणु शक्ति में भी भारत ने इजाफा किया। मेट्रो ट्रेन से लेकर कम्प्यूटर तक भारतीय नागरिकों के जीवन का हिस्सा बने। इतना ही नहीं, भारत ने बैलगाड़ी से लेकर एयर इंडिया तक का सफर तय किया है। नए-नए अविष्कारों और तकनीकी विकास से भारत विश्व मे अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफल रहा है। आज भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। यह अनायास नहीं है। दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है। बीते 77 सालों में अपनी अंदरूनी समस्याओं, चुनौतियों के बीच देश ने ऐसा कुछ जरूर हासिल किया है, जिसकी तरफ दुनिया आकर्षित हो रही है। देश के पास गर्व करने के लिए उपलब्धियां हैं तो अफसोस जताने के लिए वजहें भी हैं। हमें आजादी तो मिल गई ,लेकिन वह आजादी आज किस रूप में है। हमारे पूर्वजों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राजनेताओं ने आजाद भरत का जो सपना देखा था, उनकी नजरों में आजादी के जो मायने थे, क्या उसके अनुरूप हम आगे बढ़े हैं। संविधान में एक आदर्श देश की जो परिकल्पना की गई है, उसे हम कितना साकार कर पाए हैं। नागरिक से समाज और समाज से देश बनता है। सवाल है कि एक देश और व्यक्ति के रूप में आज हम कहां खड़े हैं, इसका एक सिंहावलोकन करना जरूरी है। भारत जीवंत लोकतंत्र का एक जीता-जागता उदाहरण है। यहा की लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों की आस्था है।

> ***चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है।***

विरोधी विचारों का सम्मान लोकतंत्र को ताकत देता आया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत ने एक परिपक्व देश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर अब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों पर गंभीर मतभेद रहे, लेकिन इन मतभेदों ने लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि उसे मजबूती दी है। लोग अपनी पसंद से सरकारें चुनते आए हैं। आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए बीते दशकों में सरकारें जनकल्याणकारी नीतियां और योजनाएं लेकर आईं। योजनाओं का लाभ गरीबों एवं कमजोर वर्गों तक पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा जैसे कार्यक्रमों एवं योजनाओं ने आम आदमी को सशक्त बनाया है। इन महात्वाकांक्षी योजनाओं से विकास की गति तेज हुई। लेकिन इन विकास योजनाओं के बावजूद देश में गरीबी, पिछड़ापन दूर नहीं हुआ है। विकास से जुड़ी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। उदारीकरण के दौर के बाद भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। आर्थिक, सैन्य और अंतरिक्ष क्षेत्र में इसने सफलता की बड़ी छलांग लगाई है। चुनौतियों के बावजूद भरतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने नए-नए कीर्तिमान गढ़े हैं। आईटी सेक्टर में देश अग्रणी बना हुआ है। इन उपलब्धियों ने देश को सुपरपावर बनने के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है। जाहिर है कि आज भारत के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन इन सफलताओं एवं उपलब्धियों के बावजूद सामाजिक और नैतिक मूल्यों में ह्रास हुआ है। व्यक्ति से लेकर समाज, राजनीति सभी क्षेत्रों में मूल्यों का पतन देखने को मिला है। सत्ता, पावर, पैसा की चाह ने लोगों को भ्रष्ट और नैतिक रूप से कमजोर बनाया है। बेहतर समाज और राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए हम सभी को आगे आना होगा। तभी जाकर एक बेहतर भारत और 'न्यू इंडिया' के सपने को साकार किया जा सकेगा।

आधी आबादी को अब भी पर्याप्त अवसरों की दरकार

सशक्तिकरण

सुशील देव

वरिष्ठ पत्रकार

इस बात में कोई दो मत नहीं कि संविधान ने महिलाओं को ताकत दी, उन्हें सशक्त बनाया है। भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, दुनिया के सबसे प्रगतिशील संविधान में से एक है। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद जब देश सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक असमानताओं से जूझ रहा था, तब संविधान निर्माताओं ने यह स्पष्ट समझ रखी कि लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक समाज की आधी आबादी-महिलाएं-समान अधिकारों और अवसरों से वंचित रहेंगी। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है।

संविधान के मौलिक अधिकार : समानता का आधार

संविधान के भाग में वर्णित मौलिक अधिकार महिलाओं के सशक्तिकरण की नींव हैं। ये अधिकार सभी नागरिकों पर लागू होते हैं, लेकिन महिलाओं के संदर्भ में इन्होंने विशेष महत्त्व रखा है।

कानून के समक्ष समानता (अनुच्छेद 14): यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करेगा। महिलाओं के लिए यह मजबूती प्रदान करता है, क्योंकि यह लैंगिक आधार पर होने वाले किसी भी भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है। उदाहरणस्वरूप, संपत्ति अधिकार या शिक्षा में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिलते हैं।

> ***महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।***

भेदभाव का निषेध (अनुच्छेद 15): राज्य धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। अनुच्छेद 15(3) विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है, जैसे महिलाओं के लिए आरक्षण या विशेष योजनाएं। इससे महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में विशेष सहायता मिली है।

मातृत्व राहत (अनुच्छेद 42): राज्य को महिलाओं के लिए मानवीय कार्य स्थितियां और मातृत्व राहत प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे मातृत्व अवकाश, प्रसव सहायता और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे कानून बने हैं, जैसे मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961।

शिक्षा और स्वास्थ्य (अनुच्छेद 45 और 47): ये प्रावधान महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं, जिससे योजनाएं जैसे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन संभव हुए हैं। ये सिद्धांत महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य को प्रेरित करते है।

पंचायती राज और राजनीतिक सशक्तिकरण: आरक्षण की शक्ति

संविधान में 73वें और 74वें संशोधन (1992) के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पंचायतों और नगर निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने ग्रामीण भारत में लाखों महिलाओं को पहली बार सत्ता और निर्णय प्रक्रिया से जोड़ा। यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा दी। हाल ही में, महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जो 2026 से लागू होने की संभावना है। लेकिन इन संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के बावजूद जमीनी सच्चाई कई सवाल खड़े करती है। आज भी देश में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर चिंताजनक रूप से कम है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के बावजूद उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सीमित है। कार्यस्थलों पर असमान वेतन, असुरक्षा और भेदभाव की शिकायतें आम हैं। वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव होगा जब कानून, प्रशासन और समाज- तीनों एक साथ आगे बढ़ें। संविधान ने रास्ता दिखाया है, अब जिम्मेदारी हमारी है कि उस रास्ते पर ईमानदारी से चला जाए, ताकि महिलाएं सिर्फ अधिकारों की धारक नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की बराबर की सहभागी बन सकें।

बाबा साहब आंबेडकर की दूरदर्शी सोच का प्रतिबिंब

मिसाल

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दृढ़ निश्चय कैसे जीत का संकल्प होता है, यह मिसाल हमारे देश के संविधान के रूप व प्रारूप में देखने मिलती है। देश ही नहीं, विश्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की गंभीरता को सम्मान दिया जाता है। इसका कारण है कि बाबा साहब द्वारा निर्मित भारतीय संविधान आधुनिक भारत की आधारशिला है, जो समानता, स्वतंत्रता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है। यह संविधान न केवल देश की एकता-अखंडता को बनाए रखता है, बल्कि सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार, न्याय और अवसर की समानता की गारंटी देकर एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण करत है। हमारे संविधान में जितनी रचनात्मक चीजें हैं, उतनी कहीं नहीं देखी जाती। इसमें आश्चर्य व खुशी की बात यह है कि भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में प्रस्तुत किया और उसे अपनाया गया, जिसके बाद यह संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

संविधान, उस कालखंड में जनसंख्या व उस समय की परिस्थिति के हिसाब से बनाया गया था, लेकिन बाबा साहब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि वह आज तक सकारात्मक रूप से अमल मे लिया जा रहा है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि भारत जैसे देश के लिए इतना बड़ा कानूनी स्ट्रक्चर तैयार करना किसी चुनौती से कम नहीं था, चूंकि यहां प्रारंभिकता से सभी धर्मों का समावेश रहा है और मौलिक अधिकारों को लेकर हमेशा एक लड़ाई सी रही है। जानकारी दे दी जाए कि यह विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है, जिसे तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे थे जिसकी विश्व पटल पर आज भी प्रशंसा होती है। चूंकि आकस्मिक व विषम परिस्थितियों के बावजूद देश के संविधान को धैर्य, विश्वास व ठहरावट के साथ निर्मित किया गया था। बाबा साहब ने जिस समाज का सपना देखा था, वो समता, बंधुता और न्याय पर आधारित था। यूं तो बाबा साहब के

> **बाबा साहेब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।**

बचपन से लेकर भारत और विलायत में उच्च शिक्षा हासिल करने तक उन्होंने कितना संघर्ष किया, कितना अपमान सहा इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को हैं लेकिन ये कम ही लोग जानते हैं कि वो जितने कामयाब राजनीतिज्ञ थे, उतने ही कामयाब वकील भी थे। उन्होंने कई देशों के संविधान की पढ़ाई करने में काफी समय व्यतीत किया। उस दौर के सबसे शिक्षित व समझदार वकील होने की वजह से उन्होंने संविधान में उन तकनीक कानून का प्रयोग किया, जिसमें किसी भी धर्म व जाति के लोगों में किसी भी कोई भी नकारात्मक नहीं देखी गई। वैसे तो किसी भी देश का संविधान देश के सर्वोच्च कानून के रूप में कार्य करता है जो समाज को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों और नियमों को निर्धारित करत है। यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है, न्याय और समानता को बढ़ावा देता है और नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने की अनुमति देता है। बीते कुछ वर्षों में कुछ राज्य सरकारों व नेताओं ने संविधान पर बहुत राजनीति की और देश में नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की। आज राजनीति में संविधान को एक मुद्दे के रुप में भुनाने का काम किया जा रहा है। भारत में राजनीतिक दल अक्सर संविधान का हवाला देकर अपनी विचारधारा और एजेंडे को बढ़ावा देने लगे हैं, जिसे विभिन्न आलोचक राजनीतिक दांव-पेंच के रूप में देखते हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही अक्सर संविधान की रक्षा या उसके उल्लंघन का आरोप लगाकर एक-दूसरे पर निशाना साधते हैं क्योंकि संविधान मे राजनीतिक दलों का कोई सीधा उल्लेख नहीं है, लेकिन उनको यह समझना होगा कि उनके इस व्यवहार से हम आने वाली पीढ़ी के लिए गलत काम कर रहे हैं। जब हम ही संविधान की गरिमा को नहीं समझेंगे तो देश के युवाओं पर इसका क्या असर पड़ेगा, यह उनको समझना पड़ेगा।

अब इसके नकारात्मक पहलू देखने को मिलने भी लगे। हमारे संविधान में भी 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार है इसलिए हर किसी युवा को अपनी सोच व उपज के आधार पर अपनी सरकार चुनने का हक है। हमें यह शपथ लेनी होगी कि कोई भी बाबा साहब के बनाए हुए संविधान की आलोचना व दुरुपयोग न करें। हम स्वतंत्र भारत के वासी हैं और यह संचालन प्रक्रिया को लेकर हम उस दिशा में लेकर जाएंगे जो सब के हित के लिए कार्य करे।

भारतीय संविधान की प्रासंगिकता आज भी बरकरार

विशेषता

योगेंद्र माथुर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत का संविधान देश के लोकतंत्र का मूल आधार है। यह भारत की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधि है। यह संविधान 26 जनवरी 1950 को देश में लागू किया गया और इसी दिन भारत को 'गणतंत्र' घोषित कर डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। इस संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है।

संविधान निर्माण की प्रक्रिया: 15 अगस्त सन 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति सुनिश्चित होने के पश्चात भारत के कर्णधारों को एक ऐसे मार्गदर्शक विधान की आवश्यकता महसूस हुई जिसके प्रकाश में लोकतांत्रिक पद्धति से देश का सुचारू व निर्बाध रूप से संचालन होता रहे। अतः इसके निर्माण के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया। इसमें तमाम वर्गों व विचारधाराओं के बुद्धिजीवी सदस्यों को शामिल किया गया। केबिनेट मिशन योजना के प्रावधानों के अनुसार नवंबर 1946 में गठित संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 को आहूत की गई।

इसकी अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी। संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। संविधान निर्माण के लिए विभिन्न समितियों यथा प्रक्रिया समिति, वार्ता समिति, संचालन समिति, कार्य समिति, संविधान समिति व झंडा समिति आदि बनाई गई। इनमें प्रमुख प्रारूप समिति का गठन 19 अगस्त 1947 को किया गया और डॉ. बी.आर. अंबेडकर को इसका अध्यक्ष बनाया गया। भारत के इस संविधान की प्रमुख विशेषता यह है कि लोकतंत्र के तीनों अंगों यथा विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका में टकराव न हो इसके लिए इनके अधिकारों, कर्तव्यों व सीमाओं का निर्धारण इस संविधान में स्पष्ट रूप से किया गया है। संविधान में यह व्यवस्था की गई है

> **आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों और सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।**

कि कोई लोकतंत्र का कोई भी अंग अपने अधिकारों, सीमाओं व मर्यादा का उल्लंघन न करें।

शक्तियों का बंटवारा : संविधान में संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची के द्वारा केंद्र व राज्य की शक्तियों का स्पष्ट बंटवारा किया गया है। ऐसे विषय जो तीनों सूची में न हों अर्थात अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने की अनन्य शक्ति संसद को दी गई है। इसमें नागरिकों को स्वतंत्रतापूर्वक जीवन यापन करने के लिए मौलिक अधिकार दिए गए हैं तो नागरिक कर्तव्यों का भी समावेश किया गया है ताकि नागरिकों में देश के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति की भावना स्थापित हो। हालांकि मूल संविधान में मौलिक कर्तव्य नहीं थे। ये 1976 के 42 वें संशोधन के तहत संविधान में शामिल किए गए हैं। संविधान में कुल 11 मौलिक कर्तव्यों का समावेश किया गया है। संविधान की प्रस्तावना या उद्देशियका के अनुरूप एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के उद्देश्य से राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का प्रावधान भी संविधान में किया गया है। हालांकि इन्हें लागू करवाने के लिए कोई कानूनी या संवैधानिक दबाव नहीं है। भारत का संविधान काफी हद तक लचीला है। इसमें समय, परिस्थितियों व आवश्यकतानुसार संशोधन भी किए जा सकते हैं। संविधान में संशोधन की निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत संविधान में पहला संशोधन सन् 1951 में हुआ था। इस संशोधन में राज्यों के भूमि सुधार कानूनों को नवीं अनुसूची में रखकर न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर कर दिया गया था। तब से अब तक संविधान में 100 से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं, लेकिन संविधान का मूल स्वरूप यथावत बना हुआ है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारे पास एक ऐसा संविधान है, जिसमें दृढ़ता व लचीलेपन के बीच एक आदर्श संतुलन है। दुनिया के तेजी से बदलते आंतरिक व वैश्विक परिदृश्य में विघटनकारी, विभाजनकारी एवं विनाशकारी शक्तियों द्वारा खड़ी की जा रही चुनौतियों का सामना करने में कुछ ही देश सफल हो सके हैं। दूसरी ओर, भारत का संविधान देश के नागरिकों द्वारा अंगीकृत किए जाने के बाद से अब तक सतत गतिशीलता व प्रासंगिकता के साथ समृद्ध व सशक्त होता रहा है।

कहा जा सकता है कि संसदीय लोकतंत्रात्मक व्यवस्था के साथ भारत का संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। अतः संविधान के अनुसार आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों व सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

संक्षेप

पीएचसी में आरोग्य मेला

70 मरीजों को मुफ्त दवाएं और उपचार की सुविधा मिली।

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिले , ब्लॉक भेंटुआ अंतर्गत पीएचसी अमेय माफी में आज मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में लगभग 70 मरीजों को मुफ्त दवाइयां और उपचार प्रदान किया गया। मरीजों को खांसी, बीपी, शुगर और अन्य कई प्रकार की बीमारियों के लिए दवाएं दी गईं। इस आयोजन में डॉक्टर पुष्पेंद्र कुमार, होम्योपैथिक डॉक्टर विनीता, फार्मासिस्ट शिवभूषण शुक्ला, लैब असिस्टेंट वीरेंद्र सिंह, वार्ड बॉय फूलचंद, चौकीदार रामदयाल, आशा कार्यकर्ता शीला सिंह, रानी सिंह, शकुंतला शर्मा, विमला देवी, उर्मिला मौर्य, सुमन पाल, धर्मराज और रोहित शर्मा सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा। डॉक्टर पुष्पेंद्र कुमार ने मरीजों की गहन जांच की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हर संभव प्रयास किया। वे अपने प्रभावी इलाज और मरीजों के प्रति अच्छे व्यवहार के लिए जाने जाते हैं, जिससे मरीजों को बेहतर देखभाल मिलती है। आज मुख्यमंत्री आरोग्य मेला पीएचसी अमेय माफी में मरीजों की काफी भीड़ देखी गई। सभी मरीजों ने अपनी बारी का इंतजार कर डॉक्टर पुष्पेंद्र कुमार से परामर्श लिया और सही सलाह प्राप्त की। क्षेत्र के मरीजों को इस मेले से काफी अच्छा उपचार मिलता है। पीएचसी अमेय माफी से जुड़े सभी प्रधानों ने इस पहल पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेला से उनके क्षेत्र के मरीजों को उचित देख-रेख और राहत मिलती है।

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस का विरोध

अमेठी में चौपाल, जिला उपाध्यक्ष बोले – बर्दाश्त नहीं करेंगे

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। मनरेगा का नाम बदलने की कथित सरकारी योजना के विरोध में कांग्रेस ने न्याय पंचायत अमेयमाफी में एक चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस मनरेगा का नाम बदलना बर्दाश्त नहीं करेगी। यह चौपाल मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भेटुआ के अध्यक्ष द्वारा आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. अरविंद कुमार चतुर्वेदी उपस्थित रहे। डॉ. चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस ने हमेशा सेवा और श्रम के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मनरेगा का नाम बदलकर इसे बंद करने की साजिश रच रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मजदूरों को समय पर भुगतान नहीं मिल रहा है। उन्होंने मनरेगा को बचाने के लिए कांग्रेस के संघर्ष जारी रखने की बात कही। किसान कांग्रेस अमेठी के जिलाध्यक्ष सूर्यभान तिवारी ने इस लड़ाई को मजदूरों के हित की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि किसान भी इस संघर्ष में शामिल होकर लड़ाई लड़ेंगे। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष जगदीश सिंह, आयोजक मन्नू तिवारी, ब्लॉक कमेटी के हर्ष कुमार मिश्र, कमलेश मिश्रा, न्याय पंचायत अध्यक्ष रत्नाकर सिंह, शिव बहादुर मौर्या, ब्रह्मप्रकाश शुक्ला, शिव किशोर विश्वकर्मा सहित विभिन्न ग्राम सभा अध्यक्ष और गांव के सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

बालक बालिका अनुसूचित जाति छात्रावासों में समारोहपूर्वक मनाया गया गणतन्त्र दिवस

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद में संचालित राजकीय बालिका अनुसूचित जाति छात्रावास गेंदघर परिसर, राजकीय बालिका अनुसूचित जाति छात्रावास महिला महाविद्यालय परिसर, राजकीय बालक अनुसूचित जाति छात्रावास महाराज सिंह इण्टर कालेज परिसर एवं राजकीय बालक अनुसूचित जाति छात्रावास बालक रूपईडीहा में 77वां गणतन्त्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जनपद के समस्त बालक बालिका राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बालक में गणतन्त्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा ध्वाजारोहण कर छात्र छात्राओं को गणतंत्र दिवस के वचनों द्वारा उत्साहवर्धन किया गया व भारतीय संविधान के रचना में अमूल्य योगदान देने वाले ज्ञात-अज्ञात सेनानियों एवं महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। वक्तागण द्वारा आवासित छात्र-छात्राओं को शिक्षा के माध्यम से समाज में ऊंचा से ऊंचा मुकाम हासलि के लिए प्रेरित किया गया। वक्तागण द्वारा रविवार को किये जा रहे श्रमदान की महत्ता पर भी प्रकाश डाला गया। यह जानकारी देते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि राजकीय बालिका अनुसूचित जाति छात्रावास महिला महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सहायक प्रबन्धक, समाज कल्याण विकास देवव्रत शर्मा, छात्रावास के कर्मचारी तथा आवासित छात्राएं मौजूद रहीं। राजकीय बालक अनुसूचित जाति छात्रावास रूपईडीहा में मुख्य अतिथि विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षक किशन लाल, छात्रावास के कर्मचारी व आवासित छात्र मौजूद रहे। राजकीय बालिका अनुसूचित जाति छात्रावास गेंदघर परिसर में मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद बहराइच की अध्यक्ष श्रीमती सुधा टेकड़ीवाल की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण कल्याण अधिकारी सुश्री श्रद्धा पाण्डेय, छात्रावास अधीक्षक श्रीमती शशि वर्मा तथा छात्राएं मौजूद रहीं। जबकि राजकीय बालक अनुसूचित जाति छात्रावास महाराज सिंह इण्टर कालेज परिसर में मुख्य अतिथि सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख शिवम जायसवाल की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सहायक प्रबन्धक, समाज कल्याण विकास देवव्रत शर्मा, छात्रावास के कर्मचारी तथा आवासित छात्र मौजूद रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा का प्रसार निदेशक ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। प्रसार निदेशक ने कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा का औचक निरीक्षक कर केंद्र परिसर में चल रही गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा वैज्ञानिकों से विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी ली।आचार्य नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ संदीप कुमार ने बताया कि केंद्र पर निदेशक प्रसार डॉ राम बटुक सिंह ने औचक निरीक्षण किया उन्होंने केंद्र पर चल रही यूनिट जैसे क्रॉप कैफेटेरिया, आम एवं अमरूद की मदर ऑर्चर्ड, हाई टेक्नोलॉजी नर्सरी, मत्स्य पालन इकाई, मुर्गी पालन इकाई इत्यादि का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण में कार्य संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने सराहना करते हुए केंद्र को और बेहतर बनाने के लिए निर्देशित किया। केंद्र के उपस्थित वैज्ञानिकों से विभिन्न प्रकार के कार्यों एवं परियोजनाओं की के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस मौके पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. पीके सिंह, रेनू आर्य, सुनील कुमार, उमेश कुमार,डॉ एसबी सिंह जय सचिन उपेंद्र सिंह , फार्मर चेंज एजेंट राहुल कुमार उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ पर पुलिस लाइन में सम्मान की शानदार परंपरा

पुलिस क्षेत्राधिकारी अधीक्षक धीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर पुलिस लाइन बहराइच में आयोजित भव्य एवं गरिमामय समारोह में कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित और जनसेवा को समर्पित पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक धीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को उनके उत्कृष्ट, निर्भीक एवं परिणामोन्मुख कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बीते एक वर्ष के कार्यकाल में उप पुलिस अधीक्षक श्रीवास्तव द्वारा अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था की बहाली, संवेदनशील मामलों के त्वरित निस्तारण तथा आम नागरिकों में सुरक्षा का एहसास पैदा करने में जो भूमिका निभाई गई, वह लाजवाब और मिसाल कायम करने वाली रही। उनके कुशल नेतृत्व में पुलिस बल ने न सिर्फ अपराधियों पर नकेल कसी, बल्कि जनता के साथ संवाद स्थापित कर विश्वास की मजबूत बुनियाद भी रखी।प्रशस्ति पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने तथा जनहित से जुड़े मामलों में श्री श्रीवास्तव का योगदान काबिले-तारीफ, सराहनीय और प्रेरणादायक रहा है।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बहराइच राम नयन सिंह एवं जिलाधिकारी बहराइच अक्षय त्रिपाठी द्वारा संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की दुआ की गई। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कर्मठ अधिकारी पुलिस विभाग की ताकत और पहचान होते हैं।सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने तालियों की गूंज के साथ सम्मानित अधिकारी का इस्तकबाल किया। पूरा वातावरण फख्र, जोश और देशभक्ति से सराबोर नजर आया।

सीएचसी अधीक्षक डॉ अभिषेक अग्निहोत्री ने कलमकारों को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमपुरवा के अधीक्षक डॉ अभिषेक अग्निहोत्री ने क्षेत्र के दैनिक भास्कर डिजिटल शिवाजी अवस्थी, हिंदुस्तान से अरविंद पाठक, अमर उजाला से राकेश मौर्या व दैनिक जागरण से कुलदीप अवस्थी को उपहार भेंटकर सम्मानित किया। तेजवापुर सीएचसी अधीक्षक डॉ अभिषेक अग्निहोत्री ने बताया कि उत्कृष्ट पत्रकारिता पर कलमकारों को सम्मानित किया गया है। इस मौके पर डा. अविनाश सिंह, बीसीपीएम रोहित वर्मा, फार्मासिस्ट पंकज श्रीवास्तव समेत अन्य मौजूद रहे।

जालिम नगर पुल पर टकराई डीसीएम और ट्रक, लगा लम्बा जाम

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। मोतीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नानपारा लखीमपुर हाईवे पर जलिम नगर के पास सरयू नदी के पुल पर बुधवार को दोपहर लगभग 12 बजे आमने सामने से ट्रक व डीसीएम की टक्कर हो गई जिसपर दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये तथा दोनों वाहनों के ड्राइवरों को हल्की फुल्की चोट आई है और देखते ही देखते लगभग देदो किलोमीटर लंबा जाम लग गया मौके पर पंहुची जालिमनगर चौकी की पुलिस ने हाइड्रा जेसीबी मंगाकर जालिम नगर पुलिस मार्ग बहाल करने में जुटी हुई है। जालिमनगर चौकी इंचार्ज दिवाकर मिश्रा ने बताया कि हाइड्रा और जेसीबी की मदद से दोनों छतिग्रस्त वाहनों को किनारे हटवाकर आवागमन बहाल कराया गया है।

रिमझिम बारिश से ठंड बढ़ी फसलों को होगा फायदा

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। मंगलवार देर रात से तराई के क्षेत्र में मौसम अचानक बदल गया तेज हवा के साथ ही बुधवार को तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र के कतर्नियाघाट, मिहींपुरवा मोतीपुर गायघाट सहित अन्य क्षेत्रों में हल्की से भारी बारिश भी हुई जिससे ठंड बढ़ गई। वहीं किसानों के खेत में लगी फसले लहलहा उठी। गेहूं मटर अरहर मसूर चना सहित अन्य फसलों को इस बारिश से लाभ होने के आसार हैं। वहीं आलू की फसल में झुलसा रोग बढ़ने के आसार हो गए हैं । कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर संदीप कुमार ने बताया कि किसानों की फसल के लिए यह बारिश किसी सोना से कम नहीं है इसका लाभ खेतों में लगी सभी फसलों को मिलेगा।

अमेठी में बन रहा मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय

1.33 करोड़ की लागत से प्री-प्राइमरी से 8वीं तक की शिक्षा, हाईक्लास सुविधाएं

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , गौरीगंज विकास खंड स्थित धनीजलालपुर गांव में मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। योगी सरकार की शिक्षा पहल के तहत बन रहे इस आधुनिक विद्यालय पर लगभग 1.33 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस परियोजना का 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। यह अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक के छात्रों को शिक्षा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश भर के सैकड़ों परिषदीय विद्यालयों को उच्चीकृत कर आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। अमेठी का धनीजलालपुर स्थित यह स्कूल इसी योजना का हिस्सा है। विद्यालय का निर्माण कार्य कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज जल निगम यूनिट - 29, लखनऊ के माध्यम से किया जा रहा है। स्कूल में छात्रों के समग्र विकास के लिए कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इनमें 5 कक्षों से युक्त एक एकीकृत भवन, लाइब्रेरी, बैडमिंटन कोर्ट, मध्यान्ह भोजन के लिए डाइनिंग शेड, दिव्यांग शौचालय, गार्ड रूम, मल्टीपल ड्रिंकिंग वाटर यूनिट, बालक/बालिका शौचालय, स्टाफ रूम, साइंस लैब, कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास रूम और ओपन जिम शामिल हैं। हैंडवाशिंग यूनिट और यूटिलिटी यार्ड जैसी सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। कक्षाओं को बेहतर फर्नीचर, लाइटिंग, वेंटिलेशन और खेलकूद के मैदान के साथ स्मार्ट और सुरक्षित बनाया जाएगा। स्थानीय अभिभावक और शिक्षक इस निर्माण से उत्साहित हैं।

05 दिवसीय महारूद्र यज्ञ पर निकली भव्य कलश यात्रा

गाजे बाजे के साथ हजारों की संख्या में महिलाओं पुरषो ने भरे कलश

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। फखरपुर ब्लॉक के गजाधरपुर के श्री श्री1008 महात्मा रामकिशोर दास ब्रह्मलीन द्वारा आयोजित कराया गया इस बार 49वे महारूद्र यज्ञ में शिव मनकामेश्वर मन्दिर पर आयोजित 5दिवसीय महारुद्र यज्ञ व वार्षिकोत्सव मेला बुधवार से शुरू हो गया। इस मौके पर भव्य कलशयात्रा निकाली गई। गजाधरपुर मंदिर प्रागण से गाजे-बाजे के साथ निकली कलशयात्रा में महिलाएं हाथों में कलश लेकर पद यात्रा में शामिल हुई।महंत नान बाबा उर्फ मोरजयध्वज दास की अगुवाई में शिवमनकामेश्वर मंदिर से निकलते हुए यात्रा झिंगरी नदी गायत्री आश्रम मंदिर पर कलश यात्रा पहुंची, जहा झिंगरी नदी में महिलाओं व पुरुषो ने जल भरा आश्रम के पुजारी लाडली प्रसाद वर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ कलशों का शुद्धिकरण किया और कलशों में जल भरा। कर मनोकामनाए की पूजा अर्चना करवाई मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुन्ना सिंह रहे।गयात्री आश्रम के राजमणि त्रिपाठी द्वारा भक्तो व महन्तो को माल्यर्पण कर स्वागत किया। श्रद्धालुओ के जयकारों से भक्तों में ऊर्जा का संचार होता रहा। बैंड-बाजे की धुन पर भक्त जयकारे लगाते रहे। महिलाएं पंक्तिबद्ध होकर जयकारा लगा रही थी जगह जगह पर विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने स्वागत किया। कलशयात्रा के प्रबन्धक महंत नान बाबा उर्फ मोरजयध्वज दास ने कलश यात्रियों पर फूल वर्षा कर स्वागत किया और भक्तों में प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर सन्त रमाकांत दास मनोज सिंह कामता मिश्रा, रामु गौड़ कमलेश हिर्दय राम गुप्ता राहुल, राजन सिंह, रिंकू, जगदीश वर्मा यज्ञाचार्य राजू दास पुत्ती लाल पाठक कमलेश वर्मा रामकेवल कुमार पँडित वेदप्रकाश पाठक देवी प्रसाद हरिद्वार बाबादीन शिवकुमार मूलचंद करन पाठक रामसमुझ अर्जुन हरिश्चंद्र बंटी केके पण्डित राजू प्रधान आदि हजारो की संख्या में लोग शामिल हुए। प्रबन्धक नान बाबा ने बताया महारुद्र यज्ञ में सुप्रिसद्ध सन्त महंत व कलाकार शामिल होंगे। वार्षिकोत्सव को लेकर पूरे मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी फूल-पत्तियों से सजाया गया है। मन्दिर दरबार की विशेष सजावट की गई है। वार्षिकोत्सव पर दूर दराज से आए भक्त दरबार में अर्जी लगा रहे हैं।इस मौके पर थाना अध्यक्ष संजीव चौहान एस आई वीरेंद्र मिश्रा अपनी टीम के साथ सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद रहे।

थाना जखौरा की साइबर क्राइम सेल, पुलिस टीम द्वारा चलाया गया साइबर क्राइम जागरुकता अभियान

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर- पुलिस अधीक्षक, ललितपुर मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, जनपद ललितपुर के थाना जखौरा की साइबर क्राइम सेल, पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में आमजन-मानस को साइबर क्राइम के प्रति जागरुक किया गया तथा साइबर क्राइम से बचाव हेतु उपाय बताया गया ।

जागरुकता कार्यक्रम के दौरान साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फिसिंग, स्लेबरी, आईडेन्टिटी थेफ्ट आदि के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई

01. डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

02. किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा प्लेस्टोर/आईओएस से जेनुइन app download करें, इनके अतिरिक्त किसी अन्य प्लेटफॉर्म से कोईapp download करें ।

03. किसी अनजान व्यक्ति से अपनी बैंकिंग सम्बंधी कोई भी डिटेल शेयर न करें तथा ओटीपी आदि मांगने पर न दें । 04. सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते । किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने बिना उसे शेयर न करें, अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें तथा सिक्योरिटी फीचर हमेशा ऑन रखें ।

05. कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच या धमकी पर विश्वास न करें ।

06. सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरण, सभी डिजिटल अकाउंट का स्ट्रांग पासवर्ड बनाएं तथा टू-स्टेप ऑथेंटिकेशन की सेटिंग अनिवार्य रुप से ऑन रखें । साइबर फ्राड होने पर तत्काल अपनी शिकायत साइबर हेल्प लाइन नं0 1930, NCCRP पोर्टल पर शिकायत रजिस्टर्ड कर अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करायें अथवा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने निकटतम थाने या डायल-112 पर सूचना दें

चॉदमारी, ललितपुर 11 व बजरंग क्लब ने बल्लेवाजी कर जीता मैच

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर। तुवन मंदिर परिसर में आयोजित हो रहे सदर विधायक कप को जीतने के लिये जनपद 48 क्रिकेट टीमों द्वारा प्रतिभाग किया गया है। इसी क्रम में दो पारी में छह क्रिकेट टीमों के बीच मुकावला देखने को मिला। गेंदवाजी व बल्लेवाजी करते हुये चॉदमारी, ललितपुर 11 व बजरंग क्लब ने बल्लेवाजी कर टीम ने जीत हासिल की है। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा के पुत्र श्रीकांत व उनके सहयोगियों द्वारा तुवन मंदिर परिसर पर विशाल क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन किया जा रहा है। सदर विधायक कप जीतने के लिये क्रिकेट टीमों द्वारा खेल का प्रदर्शन किया जा रहा है। क्रिकेट मैंच की चल रही श्रृखंला के दौरान पहली पारी में चॉदमारी क्लब व मॉ शीतला क्लब मड़वारी के बीच मुकावला शुरू किया गया। बल्लेवाजी करते हुये मॉ शीतला टीम ने 12 ओवर में 97 रन बनाते हुये सात विकेट खो दिये। तो वही गेंदवाजी करने के बाद बल्लेवाजी के लिये उतरी टीम चॉदमारी क्लब ने 11 ओवर खेलकर सात विकेट खोकर 100 रन बनाकर जीत हासिल की है। दूसरी पारी का मैंच महाकाल तालबेहट व ललितपुर 11 के बीच खेला गया। बल्लेवाजी करते हुये महाकाल तालबेहट ने 12 ओवर खेलते हुये 9 विकेट खोकर 74 रन बनाकर गेंदवाजी करने के लिये उतर गयी। तो वही ललितपुर 11 ने बल्लेवाजी करते हुये 9 ओवर 5 गेंद खेलकर पांच विकेट खेकर 77 रन बनाकर विजय हो गयी। तीसरी पारी का मैंच मॉ शारदा क्लब व बजरंग क्लब के बीच खेला गया। बल्लेवाजी करते हुये बजरंग क्लब टीम ने 12 ओवर में 4 विकेट खोकर 166 का लक्ष्य रखा, गेंदवाजी करने के बाद बल्लेवाजी करने के लिये उतरी मॉ शारदा क्लब टीम ने मात्र 8 ओवर 2 गेंद खेलते हुये 47 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी। विजय हुई तीनों टीमों को जीत दिलाने के लिये गेंदवाली व बल्लेवाजी करते हुये अच्छा प्रदर्शन करने वाले आदर्श चौबे, सोनू कुशवाहा व राजकुमार को विधायक पुत्र श्रीकांत द्वारा मैनऑफ-द मैंच, नगद पुरस्कार व सील्ड देकर सम्मानित किया है। इस दौरान पूर्व पार्षद कैलाश कुशवाहा, कृष्ण बिहारी उपाध्याय, विनोद पाठक, परषोत्तम कुशवाहा सहित अन्य सहयोगी मौजूद रहे।

संक्षेप

एसआईआर से जुड़े 50 से अधिक मामलों की हुई सुनवाई

सिरसिया, श्रावस्ती। विकास खंड सिरसिया कार्यालय में शनिवार को एसआईआर (सत्यापन रिपोर्ट) के कार्यों को लेकर खंड विकास अधिकारी दुर्गा प्रसाद प्रजापति एक्शन मोड में नजर आए। वर्ष 2003 के डेटा के आधार पर फॉर्म भरते समय बरती गई अनियमितताओं और दस्तावेजों की कमी को लेकर विस्तृत सुनवाई की गई। 2003 के डेटा पर फंसा पेंच जांच के दौरान यह सामने आया था कि कई लाभार्थियों/आवेदकों ने एसआईआर फॉर्म भरते समय वर्ष 2003 के डेटा के अनुसार आवश्यक और वैध प्रमाण पत्र संलग्न नहीं किए थे। नोटिस के बाद बढ़ी हलचल प्रशासन द्वारा पहले ही इन लोगों को अपनी पात्रता सिद्ध करने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। शनिवार को नोटिस की समय सीमा समाप्त होने के बाद संबंधित पक्षों को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए बुलाया गया। खंड विकास अधिकारी ने एक-एक कर लगभग 50 से ज्यादा लोगों की फाइलें देखीं और उनके मौखिक व लिखित साक्ष्य दर्ज किए। उन्होंने विस्तृत रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए कहा कि जिनके पास 2003 के रिकॉर्ड के अनुसार वैध प्रमाण नहीं होंगे, उनके आवेदन निरस्त कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

शाखा अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हीरेन्द्र कुमार

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक की जिला शाखा अध्यक्ष पद निर्वाचन निर्वाचन अधिकारी तहसीलदार भिनगा की देखरेख में शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। विकास खण्ड गिलौला के ग्राम रमनगरा के हीरेन्द्र कुमार मिश्र शाखा अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। शनिवार को तहसीलदार भिनगा ने नव निर्वाचित शाखा अध्यक्ष को प्रमाण पत्र सौंपा। शनिवार को उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक के शाखा अध्यक्ष के निर्वाचन का परिणाम घोषित हुआ। विकासखंड गिलौला के ग्राम पंचायत रमनगरा निवासी हीरेन्द्र कुमार मिश्र को शाखा अध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। तहसीलदार भिनगा ने श्री मिश्र को प्रमाण पत्र सौपकर शुभकामनाएं दी। उन्होंने श्री मिश्र को शाखा के उत्थान के लिए पूर्ण मनोयोग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर इस अवसर पर भाजपा नेता सुभाष सत्या ने बधाई देते हुए कहा कि श्री मिश्र के अनुभव से निःसंदेह बैंक का विकास होगा।

देशी शराब दुकान के सेल्समैन से मारपीट, पुलिस जांच में जुटी

गाजीपुर ।बिरनो थाना क्षेत्र के मलिकपुरा स्थित देशी शराब की दुकान पर कार्यरत सेल्समैन के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर पीड़ित ने बिरनो थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित के अनुसार शुक्रवार की शाम सतीश राम और कृष्णा राम सहित तीन अन्य लोग दुकान पर पहुंचे और शराब के लिए कम पैसे देने की बात करने लगे। सेल्समैन द्वारा मना करने पर सभी आरोपी उग्र हो गए और दुकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस आए। इसके बाद उन्होंने सेल्समैन के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की।

कलेक्ट्रेट गेट बंद करने पर भड़के किसान नेता

जबरन गेट खोलकर भीतर घुसे, सुरक्षाकर्मियों से पूछा- हम आतंकवादी हैं क्या

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, कलेक्ट्रेट गेट पर उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच नोकझोंक हो गई। जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें अंदर जाने से रोकने के लिए कलेक्ट्रेट गेट पर ताला लगाने की कोशिश की गई।

अधिक संख्या देखकर सुरक्षाकर्मियों ने बंद किया था गेट

भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जैसे ही कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश करने लगे, सुरक्षाकर्मियों ने गेट बंद कर ताला लगाने का प्रयास किया। कार्यकताओं की संख्या अधिक होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई थी, लेकिन इसी बात को लेकर मामला तनावपूर्ण हो गया।

जंजीर और ताला हटाकर भीतर घुसे कार्यकर्ता

सुरक्षाकर्मियों की कार्रवाई से नाराज भाकियू नेताओं ने गेट पर लगी जंजीर और ताला हटाया और परिसर में प्रवेश कर गए। इस दौरान पदाधिकारी और कार्यकर्ता गेट पर धकियाते हुए आगे बढ़े। इससे कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण बनता भी दिखाई दिया। खास बात यह कि इस दौरान वहां एक दरोगा भी मौजूद था।

सुरक्षाकर्मियों से किया सवाल

भीतर प्रवेश के दौरान किसान नेताओं ने सुरक्षाकर्मियों से सवाल किया कि क्या वे आतंकवादी हैं, जो उनके लिए गेट पर ताला लगाया जा रहा है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने स्थिति को संभालने की कोशिश की। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन द्वारा बड़ी संख्या में ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। यह यात्रा झलवा के हाथी चौराहा से शुरू होकर जिला मुख्यालय पर संपन्न हुई।

डीएम को ज्ञापन देने पहुंचे थे पदाधिकारी

ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा के समापन के बाद भाकियू के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। इसी दौरान गेट पर रोक लगाए जाने से नाराजगी बढ़ गई। भाकियू के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष अनुज सिंह ने गेट पर लगी जंजीर और ताला अपने हाथ में लेकर खोल दिया और कार्यकताओं के साथ परिसर में प्रवेश कर गए। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देने आए लोगों को रोका जाना गलत है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

कलेक्ट्रेट गेट पर हुए पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। अनुज सिंह माघ मेले के दौरान भी चर्चा में आ चुके हैं। माघ मेले में भाकियू पदाधिकारियों के वाहनों की एंट्री को लेकर उनकी एडिशनल एसपी संजय कुमार से नोकझोंक हुई थी। उस दौरान भी मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई थी।

अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेला छोड़कर गए

कहा- बिना स्नान दुखी मन से लौट रहा हूं, इसकी कल्पना नहीं की थी

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रयागराज माघ मेला छोड़ दिया है। वह काशी के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले, उन्होंने बुधवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए ही विदा ले रहे हैं। इस दुख की भरपाई पता नहीं कौन सा नेता आएगा कौन सी पार्टी आएगी जो करेगी। प्रयागराज हमेशा से आस्था और शांति की धरती रही है। श्रद्धा के साथ यहां आया था, लेकिन एक ऐसी घटना हो गई, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी। कल मुझे माघ मेला प्रशासन की ओर से एक पत्र और प्रस्ताव भेजा गया। इसमें कहा कि मुझे पूरे सम्मान के साथ पालकी से संगम ले जाकर स्नान कराया जाएगा। मुझ पर फूल बरसाए जाएंगे, लेकिन मैंने प्रस्ताव को ठुकरा दिया। जब दिल में दुख और गुस्सा हो, तो पवित्र पानी भी शांति नहीं दे पाता माघ मेला 15 फरवरी तक चलेगा। अभी 2 स्नान बचे हैं।

माघी पूर्णिमा (1 फरवरी) और महाशिवरात्रि (15 फरवरी)। यानी विवाद के कारण शंकराचार्य ने माघ मेला 18 दिन पहले ही छोड़ दिया। मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य का प्रशासन से विवाद हुआ, फिर वे बिना स्नान किए लौट गए। इसके बाद उन्होंने बसंत पंचमी के दिन भी स्नान नहीं किया था। अब वे बाकी दोनों स्नान में भी शामिल नहीं होंगे।

शंकराचार्य ने कहा- इस घटना ने मेरी आत्मा को झकझोर दिया। इससे न्याय और मानवता के प्रति मेरा विश्वास कमजोर हुआ है। मैंने कुछ समय का मौन रखकर प्रार्थना भी की कि जिन लोगों ने अपमान किया है, उन्हें दंड मिले। मेरे सम्मान को ठेस पहुंचाने का प्रयास हुआ। इसके पीछे राज्य सरकार जिम्मेदार है। प्रस्ताव में प्रशासन ने घटना के लिए माफी नहीं मांगीअविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- प्रशासन के कल के प्रस्ताव में मौनी अमावस्या की घटना के लिए माफी नहीं मांगी गई। असली सम्मान तब होता है, जब गलती मानी जाए और सच्चे मन से माफी मांगी जाए।

जब तक मूल घटना की जिम्मेदारी लेकर दोषी लोग माफी नहीं मांगते, तब तक ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करूंगा।

अवैध रूप से संचालित दिव्या अल्ट्रासाउंड सेंटर सील, प्रशासन की सख्त कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

बलरामपुर। जिलाधिकारी के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में शिवपुरा स्थित दिव्या अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया गया। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त अल्ट्रासाउंड सेंटर बिना पंजीकरण के अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था, जो कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम एवं स्वास्थ्य विभाग के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव, पटल सहायक राजेश सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। टीम द्वारा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए सेंटर को सील किया गया तथा संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध रूप से संचालित किसी भी अल्ट्रासाउंड केंद्र को बख्शा नहीं जाएगा। भ्रूण लिंग परीक्षण एवं बिना पंजीकरण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा

एटा में ऑपरेशन रक्षा के तहत बाल अपराधों की रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान

अमन लेखनी समाचार

एटा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा के निर्देशन में थाना एएचटी (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) द्वारा बाल अपराधों की रोकथाम एवं मानव तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से विशेष अभियान ऑपरेशन रक्षा के अंतर्गत व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जानकारी के अनुसार, अपर पुलिस महानिदेशक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेर्शानुसार दिनांक 16 जनवरी 2026 से 15 दिवसीय ह्लऑपरेशन रक्षाह्व अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार 24 जनवरी 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक अपराध (नोडल अधिकारी) एटा के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी एसजेपीयू/एएचटी उपनिरीक्षक दलवीर सिंह के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम में जनपद एटा पुलिस, एनजीओ प्रभारी अमरीश राय, चाइल्ड हेल्पलाइन एटा

से महेश कुमार सहित महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्मिक शामिल रहे। अभियान के दौरान स्पा सेंटरों, मसाज पार्लरों, होटलों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर निरीक्षण करते हुए मानव तस्करी, बाल विवाह, बाल श्रम उन्मूलन, बाल भिक्षावृत्ति तथा भिक्षुक शेल्टर होम से संबंधित अपराधों की रोकथाम को लेकर जन-जागरूकता फैलाई गई। अभियान के अंतर्गत आमजन को ह्लबचपन बचाओ, शिक्षा दिलाओह्व एवं ह्लपढ़ेगा भारत तभी तो आगे बढ़ेगा भारतह्व जैसे संदेशों के माध्यम से जागरूक किया गया। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि प्रकाश में नहीं आई। साथ ही संबंधित संचालकों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा आमजन को आपातकालीन सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1098, 108, 112, 1076 एवं 181 के संबंध में भी जानकारी दी गई

देशी शराब दुकान के सेल्समैन से मारपीट, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर ।बिरनो थाना क्षेत्र के मलिकपुरा स्थित देशी शराब की दुकान पर कार्यरत सेल्समैन के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर पीड़ित ने बिरनो थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित के अनुसार शाम सतीश राम और कृष्णा राम सहित तीन अन्य लोग दुकान पर पहुंचे और शराब के लिए कम पैसे देने की बात करने लगे। सेल्समैन द्वारा मना करने पर सभी आरोपी उग्र हो गए और दुकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस आए। इसके बाद उन्होंने सेल्समैन के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की।

घटना के दौरान दुकान में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। इस संबंध में बिरनो थानाध्यक्ष अजय कुमार यादव ने बताया कि पीड़ित की तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है

और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी

नथुआपुर में 10 फुट लंबे, 50 किलो वजनी अजगर का रेस्क्यू, ग्रामीणों में मचा हड़कंप

वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षित पकड़ा, वन क्षेत्र में किया आजाद

अमन लेखनी समाचार

अलीगंज/एटा। क्षेत्र के ग्राम नथुआपुर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब लकी पुत्र फकीरे लाल के समर पर एक विशाल अजगर दिखाई दिया। अजगर की लंबाई करीब 10 फुट और वजन लगभग 50 किलो बताया जा रहा है। अजगर को देखते ही ग्रामीणों में दहशत फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही अलीगंज वन विभाग की रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पूरी सतर्कता के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। अभियान का नेतृत्व क्षेत्रीय वन अधिकारी आदित्य सक्सेना ने किया। टीम में वन दरोगा संजय कुमार, वन रक्षक सचिन कुमार, वन कर्मी धर्मेंद्र

कुमार, उजीर सिंह एवं समरपाल शामिल रहे। रेस्क्यू के दौरान अजगर को पकड़ने में टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिसे देखते हुए वन कर्मियों ने लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की। सावधानीपूर्वक कार्रवाई करते हुए टीम ने अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। अजगर को पकड़ने के बाद वन विभाग की टीम उसे सुरक्षित रूप से वन क्षेत्र में ले गई, जहां उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। अजगर के सफल रेस्क्यू के बाद गांव में राहत का माहौल रहा। वन अधिकारियों ने बताया कि मौसम परिवर्तन के कारण इस समय अजगर व अन्य वन्य जीव अक्सर आबादी की ओर निकल आते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की जोखिम भरी कोशिश करने के बजाय तुरंत वन विभाग को सूचना देना चाहिए। रेस्क्यू सफल होने के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम की तत्परता और साहस की सराहना की।

व्यापार मंडल मिश्रा गुट की जीत, खागा में भारी वाहनों की नो-एंट्री दो चरणों में लागू

व्यापार मंडल मिश्रा गुट की मांग पर बदला नो-एंट्री का समय

अमन लेखनी समाचार

खागा/फतेहपुर। हाल ही में एक युवा व्यापारी की सड़क दुर्घटना में हुई असमय मृत्यु के बाद नगर की यातायात व्यवस्था को लेकर उठे जनआक्रोश के बीच प्रशासन ने अहम फैसला लिया है। व्यापारी संगठनों की मांग पर उपजिलाधिकारी खागा अभिनीत कुमार ने नगर में भारी वाहनों की नो-एंट्री के समय में बदलाव के आदेश जारी किए हैं ।पूर्व में शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक लगाए गए प्रतिबंध से नगरवासियों को, विशेषकर स्कूली बच्चों को, जाम और दुर्घटनाओं से राहत नहीं मिल पा रही थी। इसे लेकर उ० प्र० उद्योग व्यापार मंडल (मिश्रा गुट) के प्रांतीय मंत्री प्रकाश पांडेय के नेतृत्व में शनिवार को दर्जनों व्यापारियों ने एसडीएम को पाँच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नो-एंट्री का समय बदलने, मुख्य तिराहा व चौराहों पर यातायात पुलिस की तैनाती,

अवैध ई-रिक्शा पर रोक, फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने तथा दुर्घटना में मृत व्यापारी हुकुमचंद्र के परिजनों को आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की गई। व्यापारियों की मांग पर तत्काल निर्णय लेते हुए एसडीएम अभिनीत कुमार ने नो-एंट्री का समय दो चरणों में– सुबह 8 से 10 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक भारी वाहनों के नगर प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया। साथ ही मृतक की पत्नी सुषमा देवी एवं उनकी चार पुत्रियों को आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन को भी स्वीकार कर लिया गया। अन्य मांगों पर एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

इस अवसर पर युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष रितेश पांडेय, केशलाल नामदेव, अनूप कौशल, सरोज पांडेय, पंकज गुप्ता, नीरज मोदनवाल, सुरेंद्र शर्मा (एसके लाइट), इसराइल फारूकी एडवोकेट, नसीम घोसी, राजेश साहू, मोहसिन राइन, राम नारायण विश्वकर्मा, आशुतोष मोदनवाल, अंशु गुप्ता, आशीष मोदनवाल, हेमचंद्र शर्मा एडवोकेट, राजू सोनी, आशीष लोधी उर्फ सारंग, ओम जी, पवन केशरवानी, हबीब उल्ला, कामिल अली, राम आसरे, श्यामू, दीपू सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

एड. दीपक सेन बने सेन समाज के युवा जिलाध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर। स्थानीय कल्याण सिंह सभागार में आयोजित जन नायक कपूरी ठाकुर जन्मजयन्ती के अवसर पर एड. दीपक सेन को समाज के प्रति पूर्व में किये गए सामाजिक कार्यो समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए सेन समाज के जिलाध्यक्ष शोभाराम सेन एवं स्वजातीय बंधुओं की सहमति पर उन्हें सेन समाज का युवा जिलाध्यक्ष बनाया गया है। उनके मनोनयन पर सेन समाज ने हर्ष जताते हुए उन्हें फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। वहीं नव नियुक्त युवा जिलाध्यक्ष एड. दीपक सेन ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसका वह पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ पालन करेंगे, समाज उत्थान की दिशा में लगातार प्रयासरत रहेंगे। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री संजय विद्यार्थी सविता, सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव , जिला उपाध्यक्ष भजनलाल कुशवाहा, पहलवान गुरुदीन महाविद्यालय के प्रबंधक सौरभ यादव, जिला सचिव राजेश यादव जय गुरुदेव, सपा नगर अध्यक्ष अभि जैन खजुरिया, युवजन सभा जिलाध्यक्ष अरशद मंसूरी, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, छात्र सभा जिलाध्यक्ष गौरव विश्वकर्मा, रवि खटीक, जिपं सदस्य अमर विश्वकर्मा, विजय दयोदिया अध्यक्ष पंचरत्न समाज, एवं स्वजातीय बंधु शामिल हुए।

विकसित उत्तर प्रदेश रोजगारपरक और कौशलयुक्त शिक्षा से सम्भव:प्रो. राकेश कुमार पाण्डेय

अमन लेखनी समाचार

बड़हलगंजःस्थानीय महाविद्यालय नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज बड़हलगंज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जनवरी को उत्तर प्रदेश राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार पांडेय ने उत्तर प्रदेश के वर्तमान स्वरूप के विभिन्न चरणों का वर्णन करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश तभी संभव है, जब शिक्षा रोजगार परक और कौशल युक्त हो, क्योंकि युवा ही राष्ट्र का भविष्य है। राज्य विकसित होंगे, तो राष्ट्र विकसित होगा।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ त्रिपुरेश कुमार त्रिपाठी ने स्थापना दिवस के अवसर पर अपने उदबोधन कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार इसे विकसित बनाने के लिए एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था पर काम कर रही है। इसके लिए हर क्षेत्र में प्रगति का कार्य चल रहा है। सरकार उद्योग-धंधे, धार्मिक,सांस्कृतिक पर्यटन,रोजगार सृजन आदि के माध्यम

से इस बड़े लक्ष्य के लिए प्रयासरत है। एक अन्य वक्ता प्रो. परितोष त्रिपाठी ने उत्तर प्रदेश की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का वर्णन करते हुए इसे एक सुंदर प्रदेश बताया। डॉ. उदय प्रताप ने विकसित उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. कान्हू पंडा ने उत्तर प्रदेश में जल की विशाल उपलब्धता और जल परिवहन की संभावनाओं पर विचार व्यक्त किये।

परसपुर व सेमरहन सेमीफाइनल में

अमन लेखनी समाचार

महराजगंजतराई (बलरामपुर) स्वर्गीय अमरेश बहादुर सिंह ग्राउड पर चल रहे क्रिकेट टूनामेंट में दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला परसपुर व महराजगंज तराई के मध्य खेला गया। जिसमें महराजगंज तराई की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए परसपुर की टीम ने 11.4ओवर में 10 विकेट खो कर 121 रन का स्कोर खड़ा किया। परसपुर की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए अजय ने पारी शानदार पारी खेलते हुए 54 रन बनाए। इन्होंने अपने पारी में 3चौके व 6 छक्के लगाए। इस प्रदर्शन की बदौलत परसपुर 121 रन बनाने में कामयाब हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महराजगंज तराई की टीम परसपुर के गेंदबाजी का सामना

नहीं कर पाई। और 11.2 ओवर खेल कर 105रन पर आल आउट हो गई। इस रोमांचक मुकाबले में परसपुर ने 16 रन से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्का कर ली है ।परसपुर के खिलाड़ी अजय को बेहतरीन खेल प्रदर्शन करने के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। दूसरी तरफ तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला समीम इलेवन सेमरहन व सुभाष इलेवन तुलसीपुर के मध्य खेला गया। सेमरहन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी तुलसीपुर की टीम लड़खड़ाती नजर आई सेमरहन की गेंदबाजी क्रम का तुलसीपुर के बल्लेबाज सामना नहीं कर पाए। तुलसीपुर के तीन विकेट जीरो रन पर आउट हो गए। तुलसीपुर की टीम निर्धारित 12 ओवर भी नहीं खेल पाई और 64 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सेमरहन के तरफ से घातक गेंदबाजी करते हुए फिरोज ने चार विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेमरहन ने महज 7 ओवर में 6 विकेट खो कर 67 रन बना कर मैच अपने नाम कर लिया। शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी फिरोज को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया। इस जीत के साथ ही सेमरहन की टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई।

सुदामा चरित्र का शानदार चित्रण

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज विकास खण्ड की ग्रामपंचायत दौलतयारपुर में बुधवार को श्रीमद्भागवत कथा में सुदामा चरित्र की प्रेरणादायक कथा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा व्यास गरुड़ ध्वज बाजपेयी ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके बाल सखा सुदामा की सच्ची मित्रता, भक्ति और त्याग का विस्तार से वर्णन किया। कथा सुनकर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।कथा व्यास ने बताया कि सुदामा की भक्ति निष्कलंक और निस्वार्थ थी। अत्यंत निर्धन होने के बावजूद उन्होंने कभी श्रीकृष्ण से कुछ नहीं मांगा। श्रीकृष्ण ने भी मित्रता का आदर्श प्रस्तुत करते हुए सुदामा का सम्मान किया और बिना मांगे ही उन्हें वैभव प्रदान किया। कथा के दौरान जैसे-जैसे प्रसंग आगे बढ़े, श्रोता भावनाओं में डूबते चले गए। कार्यक्रम के बीच-बीच में भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने ह्लजय श्रीकृष्णह्व के जयकारों के साथ कथा का आनंद लिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष व बच्चे कथा श्रवण के लिए मौजूद रहे।

पुलिस ने 25 25 के तीन इनामियां बदमाश गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां (हरदोई) मल्लावां पुलिस ने 25-25 हजार के तीन इनामियां बदमाशों को मल्लावां रेलवे स्टेशन के पास से गिरिफ्तार कर न्यायलय में पेश किया जहाँ से जेल भेज दिया गया। मल्लावां कोतवाल शिवाकांत पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार की रात 10:15 बजे अलग -अलग मामलों में वांछित चल रहे 25-25 हजार के तीन इनामियां बदमाशों में से थाना माधौगंज के गांव चंदौली निवासी सर्वेश पुत्र दयाराम जो गैग का लीडर है। इसके अलावा गैंग सदस्य कंजडपुरवा निवासी अन्नू पुत्र गुलजारी, मिथुन पुत्र मानसिंह को गिरफ्तार किया। लम्बे से समय से वांछित होने के चलते पुलिस ने 25-25 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस ने बुधवार को तीनों को न्यायालय में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया गया। कोतवाल शिवाकांत ने पांडे ने बताया कि तीनों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित था फरार चल रहे थे। मंगलवार की रात सवा दस बजे रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया। बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार / रवि श्रीवास्तव

जहानाबाद, फतेहपुर , जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत दुगार्पुर मोड़ के समीप कल सुबह लगभग 8:30 बजे तेज रफ्तार से आ रहे डंफर ने एक बाइक सवार को कुचल डाला मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना दी जहां सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस प्रशासन ने घायल को उठाकर अस्पताल लेना चाहा परंतु युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था मिली जानकारी के अनुसार नवयुवक सदाबृक्ष उर्फ छोटेलाल पुत्र रामफल निवासी रत्तियापुर थाना डेरापुर जनपद कानपुर देहात का निवासी था युवक अपनी मोटरसाइकिल वढ77अव9618 से उन्नाव जनपद के गांव धानी खेड़ा जा रहा था जहां जहानाबाद की ओर से गुजर रहे दुगार्पुर मोड़ के समीप तेज रफ्तार से आ रहे डंपर फख11ऋ36958 ने युवक को आगोश में ले लिया डंफर की टक्कर लगते ही युवक सड़क पर गिर गया तथा डंपर उसे कुचलते हुए निकल गया जिससे युवक की मौत पर ही मौत हो गई स्थानीय लोगों ने बताया कि घायल होकर युवक तड़पता रहा और वहां पर मौजूद कुछ लोग वीडियो बनाते रहे जहानाबाद कस्बे का दुगार्पुर मोड घटनाओं के लिए प्रसिद्ध हो चुका है जहां दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र में प्रशासन को सांकेतिक बोर्ड चेतावनी चिन्ह या स्पीड कंट्रोल व्यवस्था करने की अति आवश्यकता है घटना के पश्चात प्रशासन ने परिजनों को सूचना दी जहां सूचना पाकर परिजनों में कोहराम मच गया वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के संबंध में छानबीन करते हुए डंफर व चालक के संबंध पर जानकारी करनी प्रारंभ की गई है वहीं पोस्टमार्टम के लिए मृतक का शव विच्छेदन ग्रह फतेहपुर रवाना किया गया है रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

एसआईटी टीम ने कोषागार घोटाले में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट ।पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने हेतु अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर अरविन्द कुमार वर्मा के नेतृत्व में एसआईटी टीम के विवेचक/ सहविवेचक निरीक्षक अजीत कुमार पाडेय व उनकी टीम द्वारा मु0अ0सं0 657/25 धारा 319 (2)/318 (4)/338/336 (3)/340 (2)/316 (5)/61 (2),238 बीएनएस व 66 डी आईटी एक्ट थाना कोतवाली कर्वी जनपद चित्रकूट वांछित अभियुक्त देवकुमार उर्फ बोग्गन त्रिपाठी पुत्र अभिमन्यु त्रिपाठी निवासी हनुवा थाना मानिकपुर जनपद चित्रकूट को गिरफ्तार किया गया।

ग्राम नागर में सात गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह, ग्राम प्रधान ने निभाया कन्यादान का दायित्व

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। ग्राम नागर में आयोजित श्री सत चंडी महायज्ञ महोत्सव के समापन अवसर पर सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदना का अनुपम उदाहरण देखने को मिला। महायज्ञ के अंतिम दिन सात गरीब कन्याओं का भव्य सामूहिक विवाह संपन्न हुआ। इस पुनीत अवसर पर ग्राम प्रधान अनुज कुमार द्विवेदी ने सातों कन्याओं का कन्यादान कर समाज के सामने अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की। सामूहिक विवाह समारोह में ग्राम नागर की दो कन्याएं, भदरवारा खुर्द की तीन कन्याएं, हीरानगर की एक कन्या तथा बड़ागांव (मऊरानीपुर) की एक कन्या सहित कुल सात कन्याएं विवाह सूत्र में बंधीं। वहीं वर पक्ष पलरा, गणेशपुरा (मोंठ), मऊरानीपुर, जैसारी कलां, लठवारा, भदरवारा खुर्द एवं बड़ागांव से आए।

कार्यक्रम की शुरूआत सातों वरों के पारंपरिक तिलक से हुई, इसके पश्चात जयमाला एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह संस्कार संपन्न कराए गए। विवाह उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। विशेष बात यह रही कि ग्राम नागर के समस्त ग्रामवासियों ने सातों कन्याओं को अपनी बेटियों की तरह विदा किया। ग्रामीणों द्वारा वर-वधुओं को उपहार भेंट किए गए और ढोल-नगाड़ों के साथ हर्षोल्लासपूर्वक विदाई की गई। इस अवसर पर नागर, भदरवारा, लखावती, रगौली सहित आसपास के कई गांवों से हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। सामूहिक विवाह समारोह ने सामाजिक सहयोग, एकता और परंपरा की मिसाल कायम की।

गरौठा क्षेत्र में ट्रैक्टरों से हो रहा अवैध बालू खनन

पत्रकारों ने प्रशासन से रोक लगाने की उठाई मांग

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। गरौठा कस्बा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टरों के माध्यम से खुलेआम अवैध बालू खनन किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में गरौठा के सभी पत्रकारों द्वारा उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी गरौठा को एक लिखित ज्ञापन सौंपकर अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि गरौठा क्षेत्र के ग्राम रमौरा, सुजानपुरा, नादोरा, जसवंतपुरा एवं जलालपुरा घाट से दिन-रात ट्रैक्टरों द्वारा बालू का अवैध खनन किया जा रहा है। आरोप है कि बालू माफिया बेखौफ होकर तेज आवाज में साउंड बजाते हुए ट्रैक्टरों को तीव्र गति से चलाते हैं, जिससे क्षेत्रवासियों की जान-माल को खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन की शिकायतें पहले भी उच्च अधिकारियों से की जा चुकी हैं, लेकिन आज तक बालू माफियाओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जबकि अवैध खनन से संबंधित साक्ष्य एवं मीडिया में प्रकाशित खबरें भी मौजूद हैं। इसके बावजूद रात के समय मारकुआं पुलिस चौकी के सामने से बालू से भरे ट्रैक्टरों का निकलना बालू माफियाओं के बढ़ते हौसलों को दशार्ता है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि शीघ्र ही अवैध बालू खनन पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई तो समस्त पत्रकार जिला मुख्यालय पर उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने को मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में गरौठा क्षेत्र के बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

अभ्युदय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में पुरस्कृत हुए नौनिहाल

विकासखंड एवं जनपद के अधिकारियों ने किया पुरस्कृत

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय तारापुर में अभ्युदय वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार पाल द्वारा फीता काटकर किया गया वहीं विद्यालय पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि एसआरजी राधेश्याम दीक्षित का विद्यालय के बच्चों ने मुख्य द्वार से बाजे गाजे के साथ स्वागत करते हुए आसन पर विराजमान किया विद्यालय प्रांगण अंतर्गत प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला की अगुवाई में बच्चों की खेल प्रतियोगिता चित्रलेखा प्रतियोगिता आदि संपन्न कराई गई वहीं पहुंचे अभिभावकों की भी प्रतियोगिता विद्यालय परिसर में संपन्न हुई मुख्य अतिथियों द्वारा प्रतिभागी विजेता प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को खेलकूद का सामान बैडमिंटन थाली प्लेट इत्यादि देकर पुरस्कार किया गया वहीं अभिभावकों में भी विजेता अभिभावकों को पुरस्कार स्वरूप भेंट प्रदान की गई विद्यालय पहुंचे मुख्य अतिथियों का प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला सहायक अध्यापिका सुधा उत्तम ने प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया वही विद्यालय के बच्चों ने गीत संगीत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथियों समेत समूचे जनमानस को भाव विभोर कर दिया कार्यक्रम में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी एवं एस आर जी राधेश्याम दीक्षित ने अपना उद्बोधन करते हुए बच्चों में नवीन शिक्षा की प्रेरणा जागृत की वहीं सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई विद्यालय के रखरखाव सौंदर्यीकरण वृक्षारोपण तथा अन्य व्यवस्थाओं को देखते हुए अधिकारियों ने प्रधानाध्यापक मनीषा शुक्ला एवं शिक्षिका सुधा उत्तम की जमकर प्रशंसा की इस मौके पर विद्यालय के अभिभावक संघ अध्यक्ष उमाकांत उपाध्यक्ष कुंती देवी अभिभावक सुमित्रा रचना रीना शशी रेखा पाल महेंद्र सिंह मनोज समेत भारी संख्या में ग्रामीण अभिभावक मौजूद रहे

यूजीसी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन

- क्षत्रिय करणी सेना के साथ ब्राम्हण परशुराम संगठन व छात्रों का प्रदर्शन
- विभिन्न स्थानों से मार्च कर कलेक्ट्रेट पहुंचे लोगों ने दिया ज्ञापन
- सभी ने एक स्वर से इस यूजीसी को बताया काला कानून वापस लेने की मांग

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा गया विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के विरोध में बुधवार को हरदोई शहर में युवाओं का गुस्सा सड़कों पर दिखाई दिया।अलग अलग स्थानों से बड़ी संख्या में छात्रों के साथ अन्य ने एकजुट होकर जनाक्रोश मार्च निकाला और केंद्र सरकार से इन नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की।क्षत्रिय करणी सेना के साथ ब्राम्हण परशुराम संगठन व सीएसएन कालेज से छात्रों का प्रदर्शन हुआ और विभिन्न स्थानों से मार्च कर कलेक्ट्रेट पहुंच ज्ञापन दिया गया इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों में कहाकि युवाओं का कहना है कि यह नियम शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने वाले हैं और छात्रों के भविष्य पर सीधा असर डालेंगे।इस दौरान प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप था कि यूजीसी के नियम लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और सरकार को जल्द ही यूजीसी को वापस लेना चाहिए।वहीं छात्रों और वक्ताओं ने यूजीसी को काला कानून बताते हुए इसे तुरंत निरस्त करने की मांग की।करणी सेना के जिलाध्यक्ष राजा ठाकुर ने कहा यूजीसी काला कानून जो लगाया है उसके विरोध में ही उनका प्रदर्शन है।उन्होनो कहा कि हमारी मांग है इस कानून का हटाया जाए क्योंकि यह कानून हमारी आपने वाली पीढ़ी के लिए खराब है।हरदोई में हुए इन प्रदर्शनों में कहा गया कि यह नियमों में असमानता और सवर्णों के हितों की अनदेखी के कारण किया जा रहा है।कहा कि पहले छात्रावास में वो दलित और पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ बैठकर भोजन भी करते थे लेकिन अगर अब यह आलम रहा तो फिर कौन बैठेगा कोई भी बात होने पर मुकदमे लगा दिए जाएंगे एक साथ बैठने वाले छात्रों के साथ भी भेदभाव किया जा रहा है।इस कानून के माध्यम से छात्रों में फर्क किया जा रहा है यह काला कानून है और सरकार को इसको वापस लेना चाहिए।

धूमधाम से मनाया गया समूचे विकासखंड में वार्षिकोत्सव समारोह

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के सभी विकासखंडों में प्राथमिक तथा कंपोजिट विद्यालयों अंतर्गत अभ्युदय वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया जनपद के अमौली विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय देवरी बुजुर्ग बंबुरिहापुर कापिल कुलखेड़ा प्राथमिक विद्यालय बाबूपुर नारायणपुर सरहन खुर्द भगलापुर सिकंदरपुर कंजरडेरा ऊदूपुर आदि सभी 177 विद्यालयों में कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय देवरी बुजुर्ग में शिक्षक प्रशांत पाण्डेय की अगुवाई में पहुंचे एआरपी शिक्षक शैलेंद्र सचान समेत अन्य अतिथियों का विद्यालय परिवार ने भव्य स्वागत किआ वही कार्यक्रम का शुभारंभ होने के पश्चात मंच के माध्यम से नन्हे मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम नुक्कड़ नाटक गीत संगीत आदि प्रदर्शित करते हुए समूचे जनमानस को भाव विभोर कर दिया मंच का संचालन कर रहे शिक्षक प्रशांत पाण्डेय ने आए हुए मुख्य अतिथियों समेत संपूर्ण जनमानस का आभार व्यक्त किया वही विद्यालय के बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया ठीक इसी प्रकार विभिन्न विद्यालयों में एआरपी राजेंद्र प्रसाद सुशील कुमार कृपाराम सौरभ कुमार आदि ने पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाया

जनता दर्शन में एसपी सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 27.01.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, धोखाधड़ी सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक फरियादी की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं कानून के दायरे में किया जाए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर समाधान करने का उद्देश्य पुलिसझ्जन संवाद को सशक्त बनाना तथा आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करना है।

भ्रष्टाचारी खंड विकास अधिकारी को प्रशासन ने भेजा जेल

खजुहा खंड विकास अधिकारी के ऊपर गबन का आरोप

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर।उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए खजुहा ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) विश्वनाथ पाल को गिरफ्तार कर लिया है। सरकारी धन के गबन के गंभीर आरोपों में हुई इस गिरफ्तारी से जिले के प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।जानकारी के अनुसार, बीडीओ विश्वनाथ पाल पर असोथर विकासखंड में तैनाती के दौरान सरकंडी ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता और सरकारी धन के गबन का आरोप है। विकास कार्यों की जांच के दौरान जब अनियमितताएं सामने आईं, तो मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन बीडीओ, ग्राम प्रधान सहित अन्य संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी पुलिस इस मामले में पहले ही ग्राम प्रधान और एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।अब बीडीओ की गिरफ्तारी को जांच में बड़ी सफलता माना जा रहा है अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ के दौरान इस घोटाले से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं और यह भी स्पष्ट होगा कि गबन किस स्तर तक और किन-किन लोगों की संलिप्तता से किया गया।प्रशासन की इस सख़्त कार्रवाई से साफ संदेश गया है कि सरकारी धन के दुरुपयोग पर किसी भी स्तर के अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। जिले में इस कदम को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मजबूत पहल के रूप में देखा जा रहा है

एक से अधिक जगह नाम होने पर सिर्फ एक स्थान का रहेगा मताधिकार

नोटिस मिलने पर न घबराएं मतदाता, एसआईआर भरे स्थान से नाम रहेगा सुरक्षित

दो जगह नाम होने पर एक ही स्थान का रहेगा वोट, नोटिस से घबराने की जरूरत नहीं : एसडीएम सदर

अमन लेखनी समाचार

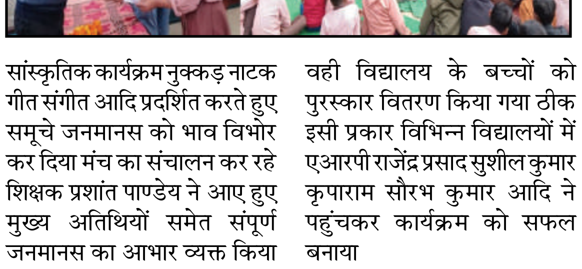

गोरखपुर। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत लगभग 2 लाख 83 हजार परिवारों को नोटिस जारी किए गए हैं। ये नोटिस उन मतदाताओं को भेजे गए हैं, जो अपने पुराने पते से कहीं और स्थानांतरित हो चुके हैं या जिनके नाम एक से अधिक स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज पाए गए हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी और अद्यतन बनाना है, ताकि भविष्य में चुनाव प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके। प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि जिन मतदाताओं के नाम दो या उससे अधिक स्थानों पर दर्ज हैं, उन्हें केवल एक ही स्थान का वैध मतदाता माना जाएगा। यदि किसी मतदाता ने एक स्थान से एसआईआर का फॉर्म भर दिया है और दूसरे स्थान से उसे नोटिस प्राप्त हुआ है, तो वह नोटिस का जवाब दे सकता है। हालांकि, यदि नोटिस का जवाब नहीं भी दिया जाता, तब भी मतदाता का नाम उसी स्थान की मतदाता सूची में सुरक्षित रहेगा, जहां से एसआईआर का फॉर्म भरा गया है, जबकि अन्य स्थानों से नाम हटा दिया जाएगा। ऐसे में मतदाताओं को किसी प्रकार की घबराहट या भ्रम में पड़ने की आवश्यकता नहीं है। मतदाताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रशासन ने तहसील सभागार में विशेष व्यवस्था की है। यहां नियुक्त पीठासीन अधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारी मौके पर ही मतदाताओं की शिकायतों और शंकाओं का समाधान कर रहे हैं। तहसील सदर सभागार में पीठासीन अधिकारी/एसीएम प्रशांत वर्मा, डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार सदर ज्ञान प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार अरविंद नाथ सिंह, देवेंद्र यादव, आकांक्षा पासवान, भागीरथी सिंह तथा सीओ चकबंदी सुनील सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहकर मतदाताओं को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में ऐसा भी सामने आया है, जहां बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की त्रुटि के कारण किसी मतदाता का नाम गलती से मतदाता सूची से कट गया है। ऐसे मतदाताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है। वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम दोबारा मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं। इसके लिए तहसील सभागार में सहायता काउंटर बनाए गए हैं, जहां सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराई जा रही हैं।

इस संबंध में एसडीएम सदर दीपक गुप्ता ने बताया कि सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी मतदाता को भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं की समस्याओं का समाधान तहसील सभागार में नियुक्त पीठासीन अधिकारियों द्वारा तत्काल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कोई मतदाता पहले दो स्थानों पर पंजीकृत था और उसने एक स्थान से एसआईआर भर दिया है, तो दूसरी जगह से आए नोटिस का जवाब वह स्वयं या अपने किसी पारिवारिक सदस्य के माध्यम से भी दे सकता है। एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि नोटिस का जवाब नहीं दिया जाता है, तब भी मतदाता का नाम पूरी तरह से नहीं कटेगा, बल्कि केवल एक स्थान से नाम हटेगा और जहां से एसआईआर का फॉर्म भरा गया है, वहां नाम सुरक्षित रहेगा।

पाँच वाहनों के माध्यम से विभागीय योजनाओं का हुआ प्रचार

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर : बेसिक शिक्षा विभाग ने जागरूकता वाहनों के माध्यम से निपुण भारत मिशन, स्कूल चलो अभियान, और अन्य कल्याणकारी योजनाओं (डीबीटी, यूनिफॉर्म, मिड-डे मील) का ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार कराया। विशेष शिक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत सजे इन वाहनों को बीएसए कार्यालय परिसर से सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों के भौतिक संसाधन बेहतर हुए हैं। यूनिफार्म आदि के लिए अभिभावकों के खाता में सीधे धन भेजा जा रहा है। सरकार परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। अब सरकारी विद्यालय निजी विद्यालयों को टक्कर दे रहे हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने कहा कि पांच तहसील के लिए अलग -अलग पांच वाहन रवाना किए जा रहे हैं जो पूरे क्षेत्र में भ्रमण कर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार -प्रसार करेंगे। इससे अभिवावक अपने पाल्यों का विद्यालय में नामांकन कराने के लिए प्रेरित होंगे। जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता अमित शुक्ला ने कहा कि विभाग का प्रयास है कि जनपद के सुदूर क्षेत्रों के अभिभावक सरकार द्वारा मिल रही सुविधाओं के प्रति जागरूक हों और बच्चों का न सिर्फ नजदीकी विद्यालयों में नामांकन कराएं बल्कि नियमित विद्यालय भी भेजें।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

गांधी टॉक्स का ट्रेलर रिलीज, बिना बोले दमदार कहानी दिखाती है फिल्म

मुंबई। विजय सेतुपति की आगामी साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स'का ट्रेलर रिलीज हो गया है। साइलेंट फिल्म होने के नाते ट्रेलर में एक भी डायलॉग नहीं है। लेकिन हां, एआर रहमान का संगीत ट्रेलर को रोमांचक बनाता है। । 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर आपको चार्ली चैपलिन की फिल्मों के दौर की भी याद दिलाएगा। ट्रेलर से पता चलता है कि कहानी के केंद्र में विजय सेतुपति हैं। ट्रेलर फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ाता है। यह फिल्म बेरोजगार विजय सेतुपति की कहानी है, जिसे अपने घर के सामने रहने वाली पड़ोसी अदिति राव से प्यार हो जाता है। दूसरी कहानी करोड़पति अरविंद स्वामी की है, जो अपनी सारी दौलत खो देता है।

लाइफ Style

मिमी

स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान उत्पीड़न का लगाया आरोप

मिमी चक्रवर्ती ने एक लाइव स्टेज शो के दौरान उत्पीड़न और अपमान का आरोप लगाया है। यह घटना रविवार को बनगांव शहर के नयाग्राम इलाके में हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुई। मिमी की शिकायत के अनुसार, आयोजकों में से एक व्यक्ति तन्मय शास्त्री स्टेज पर चढ़ गया। उसने मिमी की परफॉर्मेंस को बीच में रोक दिया।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मिमी ने कहा कि इस घटना से उन्हें बहुत अपमान और बुरा लगा। उन्होंने ईमेल के जरिए बनगांव पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी। दूसरी तरफ, आयोजक युवक संघ क्लब ने इन आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि मिमी तय समय से करीब एक घंटा लेट आईं। तन्मय शास्त्री ने कहा, 'कार्यक्रम की इजाजत सिर्फ आधी रात तक की थी। इलाके में छात्रों की बोर्ड परीक्षाएं होने वाली हैं, इसलिए कार्यक्रम को समय पर रोकना पड़ा। हमने मिमी का अपमान नहीं किया और न ही उन्हें परेशान किया। उनके आरोप बिल्कुल गलत हैं।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मिमी के बॉडीगार्ड्स ने क्लब की महिला सदस्यों के साथ बदतमीजी की, जो रात 11:45 बजे उन्हें सम्मान देने स्टेज पर आई थीं। तन्मय शास्त्री ने आगे कहा, 'हमें पता है कि मिमी एक बड़ी स्टार हैं, लेकिन अगर हम रात 12 बजे के बाद कार्यक्रम चलाते तो पुलिस खुद आकर बंद करवा देती और हम पर केस करती। अगर मिमी को कोई गलतफहमी हुई है या उन्हें बुरा लगा है, तो हम इसके लिए माफी मांगते हैं।' पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मिमी चक्रवर्ती एक भारतीय बंगाली अभिनेत्री, गायिका और पूर्व राजनीतिज्ञ हैं।

हॉलीवुड मसाला

अभिनेत्रियों को समझा जाता है कठपुतली

लॉस एंजिल्स। बॉलीवुड में अक्सर ही अभिनेत्रियों के साथ होने वाले व्यवहार पर बहस होती है। इसको लेकर कई अभिनेत्रियों ने सवाल भी उठाए हैं। लेकिन, अब 'ट्विलाइट' फेम अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट ने हॉलीवुड में अभिनेत्रियों के साथ होने वाले व्यवहार पर बात की है। साथ ही उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के साथ कठपुतलियों जैसा व्यवहार किया जाता है। क्रिस्टन स्टीवर्ट ने कहा कि इंडस्ट्री में एक्ट्रेस के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जाता है। मुझे आपको बताना ही होगा।

लोलापलूजा इंडिया में मिले प्यार पर जताया आभार...

मुंबई। लोलापलूजा इंडिया 2026 की परफॉर्मेंस के दौरान भारत के लोगों ने ब्रिटिश कलाकार यंगब्लड को काफी प्यार दिया है। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर भारत के लोगों का आभार जताया है। मुंबई में लोलापलूजा इंडिया 2026 की शानदार परफॉर्मेंस के बाद यंगब्लड ने अपने सभी भारतीय फैंस को धन्यवाद दिया है। ब्रिटिश कलाकार ने लोलापलूजा इंडिया के पहले दिन अपने परफॉर्मेंस से मुंबई की भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया। परफॉर्मेंस के कुछ घंटों बाद, यंगब्लड ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने मुंबई शो की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी। इंस्टाग्राम पर यंगब्लड ने भारत के लोगों का आभार जताते हुए एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह अपने फैंस से मिल रहे हैं। फैंस उन्हें गले लगा रहे हैं।

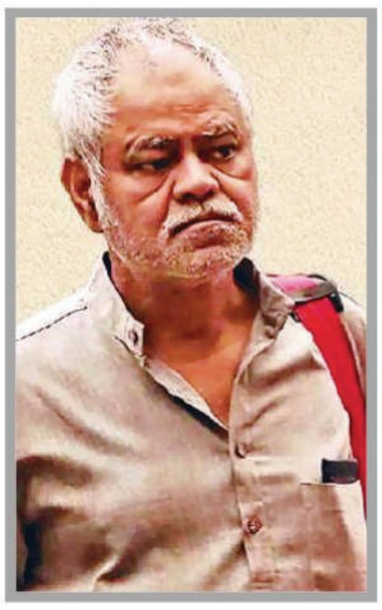

संजय-नीना फिर बने मिस्ट्री थ्रिलर का हिस्सा

मुंबई। नीना गुप्ता और संजय मिश्रा की फिल्म 'वध 2' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस बार फिल्म में थ्रिल डबल होने वाला है। एक बार फिर से नीना और संजय मिश्रा एक हत्या को लेकर जांच के दायरे में है। साल 2022 में फिल्म वध रिलीज हुई। छोटे बजट की इस फिल्म ने दर्शकों को चौंकाया, क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा है। फिल्म 'वध 2' के ट्रेलर में एक जेल गार्ड शंभूनाथ के रोल में संजय मिश्रा नजर आते हैं। वह जेल की एक कैदी मंजू सिंह (नीना गुप्ता) के करीब आते हैं। दोनों के बीच एक अलग तरह का रिश्ता बनता है। लेकिन इसी बीच जेल में कैदी गायब हो जाता है। वह कैदी कहां गया? उसके गायब होने से संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के किरदारों का क्या कनेक्शन है, यही पूरी फिल्म की कहानी है। फिल्म 'वध 2' 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वेलकम टू... की रिलीज डेट का ऐलान...

मुंबई। बस पांच महीने का इंतजार और फिर सिनेमाघरों में होगा धमाल! जी हां, क्योंकि 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज डेट सामने आ गई है। कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह मल्टीस्टारर फिल्म 26 जून को रिलीज होगी। 'वेलकम' फ्रेंचाईजी की यह तीसरी किस्त है और काफी मजेदार होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा कई और शानदार सितारे नजर आएंगे। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के निर्देशन की कमान अहमद खान ने संभाली है। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सहित करीब 30 सितारे नजर आएंगे। रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, और दलेर मेहंदी भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

टीवी मसाला

लाफ्टर शेफ 3 की विनर बनी कृष्णा और अली की टीम

नई दिल्ली। रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ 3' की विनिंग टीम सामने आ चुकी है। अली गोनी, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, समर्थ जुरेल, जन्नत जुबैर और अभिषेक कुमार की टीम 'कांटा' ने इस शो की ट्रॉफी अपने नाम की है। कलर्स चैनल के इंस्टाग्राम पेज पर विनर्स की घोषणा की गई है। कृष्णा अभिषेक की टीम 'कांटा' की टक्कर एल्विश यादव की टीम 'छोरी' से हुई। दोनों टीमों ने अच्छा परफॉर्म किया, बढ़िया खाना बनाया। लेकिन आखिर में विजेता कृष्णा अभिषेक की टीम बनी। इस शो में कॉमेडियन भारती सिंह बतौर होस्ट नजर आती हैं। 'लाफ्टर शेफ' के पहले के दो सीजन भी काफी पॉपुलर रहे हैं। इस शो की थीम दर्शकों को पसंद आती है। प्रतियोगी या कुछ टीम बनाकर टीवी सेलेब्स कुकिंग करते हैं। इस दौरान हंसी-मजाक का खूब तड़का लगता है। इस तरह यह शो काफी मनोरंजन से भरपूर होता है। यह शो इसी वजह से टीआरपी लिस्ट में भी जगह बनाने में कई बार कामयाब हुआ है।

'द 50' में मनीषा और रजत की हुई एंट्री

नई दिल्ली। जल्द ही टीवी पर एक नया रियलिटी शो 'द 50' आने वाला है। इस शो का हिस्सा सेलिब्रिटी कपल युविका चौधरी और प्रिंस नरुला बन रहे हैं। हाल ही में इंफ्लुएंसर मनीषा रानी और रजत दलाल की एंट्री भी इस शो में हुई है। दोनों ने अपना गेम प्लान बताया है। धीरे-धीरे 'द 50' रियलिटी शो के प्रतियोगियों के नाम सामने आ रहे हैं। हाल ही में एक प्रेस मीट के दौरान रजत दलाल और मनीषा रानी से शो के बारे में बात की। मनीषा रानी ने कहा, 'हम जहां खड़े हो जाते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है।' वह इस रियलिटी शो को लेकर काफी एक्साइटेड दिख रही हैं। वहीं रजत दलाल ने भी कहा कि वह शो में फरमाइश नहीं करने जा रहे हैं, वह गेम खेलने जा रहे हैं। इस तरह यह दोनों ही प्रतियोगी 'द 50' रियलिटी शो को खेलने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। रजत दलाल और मनीषा रानी के अलावा फिल्म एक्ट्रेस युविका चौधरी भी 'द 50' की प्रेस मीट में नजर आईं। वह कई साल बाद किसी रियलिटी शो का हिस्सा बन रही हैं।

'आशिकों की कॉलोनी' में थिरकते नजर आए शाहिद, दिशा ने लगाई आग

मुंबई। शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म ओ रोमियो इन दिनों चर्चा में है। मंगलवार को इस फिल्म का नया गाना 'आशिकों की कॉलोनी' रिलीज हुआ। इस गाने में शाहिद कपूर और दिशा पाटनी का अंदाज पर फैंस फिदा हो गए। विशाल भारद्वाज की अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। इस फिल्म का ट्रेलर जब से रिलीज हुआ है, तब से सोशल मीडिया पर 'ओ रोमियो' चर्चा का विषय है। अब इस फिल्म का नया गाना भी ट्रेंड कर रहा है। 'आशिकों की कॉलोनी...' गाने में दिशा पाटनी ने आइटम डांस किया है। साथ ही शाहिद कपूर भी अपनी डांसिंग स्किल दिखाते नजर आ रहे हैं। 'आशिकों की कॉलोनी...' गाने में दिशा पाटनी के साथ शाहिद कपूर गजब का डांस कर रहे हैं। गाने में एक जगह वह माइकल जैक्सन की पॉपुलर डांस स्टेप 'मून वॉक' को करते नजर आए। डांस करते हुए शाहिद कपूर की एनर्जी देखने लायक है। इस गाने के संगीतकार विशाल भारद्वाज हैं। गीतकार गुलजार ने इस गाने को लिखा है। गाने में मधुबंती बागची और जावेद अली की आवाज है। 'आशिकों की कॉलोनी...' गाने के म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर मेघदीप बोस हैं। 'ओ रोमियो'का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, अविनाश तिवारी और फरीदा जलाल जैसे एक्टर्स अहम किरदारों में नजर आएंगे।

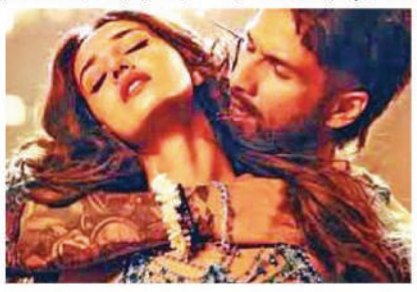

बैटल ऑफ गलवान के सेट पर लौटे सलमान

सलमान खान की अपकमिंग वॉर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का टीजर पिछले साल उनके जन्मदिन, 27 दिसंबर को जारी किया गया था। इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी अनाउंसमेंट किया गया। दिसंबर में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई थी। खबरों के मुताबिक सलमान अब एक एक्स्ट्रा शूटिंग के लिए सेट पर लौट आए हैं।

मुंबई। सलमान खान, निर्देशक अपूर्व लखिया और पूरी टीम फिल्म के लिए अब पैचवर्क के काम में जुट रहे हैं। इसके अलावा वे कुछ नए सीन भी जोड़ रहे हैं, जिनमें से कुछ में एक्शन सीन भी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये 15 दिनों का शेड्यूल है और पैचवर्क पहले से ही तय था। खबर है कि एडिशनल शूटिंग इसलिए हुई, क्योंकि फिल्म के मेकर्स और सलमान को लगा कि ये सीन कहानी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इनसे फिल्म का प्रभाव बढ़ेगा। सलमान कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि 'बैटल ऑफ गलवान' दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव साबित हो। इसी के चलते उन्होंने एडिशनल शूटिंग के लिए सहमति दी।

फिल्ममेकर्स को पूरा भरोसा है कि फिल्म 17 अप्रैल को तय रिलीज डेट से काफी पहले तैयार हो जाएगी। वहीं, फिल्म का पहला गाना 'मातृभूमि' हाल ही में 24 जनवरी को रिलीज हुआ था। इस फिल्म में लीड रोल में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह लीड रोल में हैं। फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू की कहानी है और इस भूमिका को पर्दे पर जीते दिखेंगे सलमान खान। 15 जून, 2020 के तनावपूर्ण बैकग्राउंड पर बेस्ड ये फिल्म 'कोविड-19' महामारी के दौरान गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए वीर संघर्ष की कहानी बयां करती है।

आलीशान बंगला, लग्जरी गाड़ियां सब बिक गईं

भारत भूषण को जुनून ने बनाया राजा से रंक!

नई दिल्ली। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री चमक-दमक की दुनिया है। इसने किसी को रंक से राजा बनाया तो कभी राजा बनाकर सबकुछ छीन भी लिया। एक ऐसे ही एक्टर थे भारत भूषण। जो अपने पिता की मर्जी के खिलाफ एक्टर बने। 10 साल के संघर्ष के बाद स्टारडम मिला। जब पैसा, शोहरत सब मिल गया तो एक फैसले ने उन्हें वापस फर्श पर लाकर पटक दिया। आप शायद ही जानते होंगे कि 'आशीर्वाद' बंगला इन्हीं का था, जिसे राजेंद्र कुमार और राजेश खन्ना दोनों ने खरीदा था। और ये बंगाल शापित माना जाता है। कहते हैं कि जैसे ही ये तीनों स्टार्स इस घर में आए, इनका बुरा समय शुरू हो गया। भारत भूषणगुप्ता। जिन्हें भारत भूषण के नाम से जाना गया। 14 जून 1920 में मेरठ, उत्तर प्रदेश में उनका जन्म हुआ, लेकिन परवरिश अलीगढ़ में हुई। उनके पिता रायबहादुर मोतीलाल मेरठ के सरकारी वकील और इलाहाबाद में सुप्रीम कोर्ट के जज थे। भारत का एक बड़ा भाई भी था। जब वो दो साल के थे, तब मां का निधन हो गया। इसके बाद वो अपने नाना के पास अलीगढ़ चले गए थे। वहीं पर ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई की।

एक्टिंग के खिलाफ थे भारत के पिता

भारत के बड़े भाई फिल्म प्रोड्यूसर और हाई कोर्ट जज रमेश चंद्र गुप्ता थे, जिनका लखनऊ में आइडियल स्टूडियो था। पढ़ाई के बाद उन्होंने पिता की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग शुरू की। सिनेमा में काम करने के लिए पहले वो कोलकाता गए। बाद में मुंबई का रुख किया।

डेब्यू मूवी

भारत भूषण ने 1941 में सुपरहिट फिल्म 'चित्रलेखा' में छोटा सा किरदार निभाकर अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। पर केदार शर्मा की सुपरहिट फिल्म में काम करने के बावजूद उनका कॅरियर आगे नहीं बढ़ पाया। वो उनकी एक और फिल्म 'सुहाग रात' में भी नजर आए थे। पर उनकी बाकी फिल्में कमर्शियली अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाईं।

11 साल बाद मिला स्टारडम

साल 1952। विजय भट्ट की 'बैजू बावरा' में वो लीड रोल में नजर आए। फिल्म ब्लॉकबस्टर रही और भारत भूषण भरोसेमंद स्टार बन गए। इसी साल 'मां' और 'आनंद मठ' जैसी सफल फिल्मों में उनके स्टारडम को मजबूत कर दिया। 1953 में 'लड़की' के साथ एक और ब्लॉकबस्टर दी। ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फइल्म थी, जिसमें वैजयंतीमाला, किशोर कुमार और अंजलि देवी थीं।

10 साल में 35 फिल्में

1941 में चित्रलेखा फिल्म से शुरुआत की। 1942 से 1950 तक भक्त कबीर, भाईचारा, सुहाग रात, उधार, भाई बहन जैसी फिल्मों में नजर आए। 1951 से 1960 तक, 10 साल में 35 फिल्में कीं, जिनमें बैजू बावरा, मां, आनंद मठ, लड़की, कवि, मिर्जा गालिब, अमानत, कल हमारा है, घूंघट, बरसात की रात जैसी फिल्में शामिल हैं।

प्रोड्यूसर भी बने

1961 में कोई फिल्म नहीं रिलीज हुई। 1962 से 1980 तक 19 फिल्मों में नजर आएं। अब तक वो स्क्रिप्ट भी लिखने लगे थे और प्रोड्यूसर भी बन गए थे। 1991 में 'सौ करोड़' में उन्होंने पिता का रोल निभाया था, वो भी कैमियो में। उनकी मौत के बाद 1992 और 1993 में हमशक्ल और आखिरी चेतावनी रिलीज हुई थी।

बेचना पड़ा आशीर्वाद बंगला

भारत भूषण का बॉम्बे के बांद्रा इलाके में एक बंगला था। इसका नाम 'आशीर्वाद बंगला' था। कहते हैं कि भाई के कहने पर भारत भूषण ने जब प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखा तो उन्हें बहुत नुकसान हुआ। उनकी सिर्फ दो फिल्में सफल रहीं, बाकी फ्लॉप हो गईं। उन्हें अपना बंगला बेचना पड़ा। इसे उन्होंने राजेंद्र कुमार को बेचा। बाद में राजेंद्र कुमार ने राजेश खन्ना को बेचा था। इस तरह से ये बंगला 3 फेमस फिल्म स्टार्स का घर रहा।

रामायण में बने तुलसीदास

भारत भूषण को रामानंद सागर की 'रामायण' में भी देखा गया था। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास का किरदार निभाया था।

मेरठ में हुई थी शादी

पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने मेरठ के जाने-माने परिवार और जमींदार की बेटी सरला से शादी की थी। उनकी दो बेटियां थीं- अनुराधा और अपराजिता। अनुराधा को पोलियो से जुड़ी दिक्कतें थीं। भारत की पत्नी सरला की 1960 में दूसरे बच्चे को जन्म देते वक्त लेबर कॉम्प्लिकेशन के कारण मौत हो गई।

दूसरी शादी

इसके बाद 1967 में भारत भूषण ने दूसरी शादी की। उन्होंने एक्ट्रेस रत्ना से ब्याह रचाया, जो 'बरसात' में उनकी को-स्टार थीं। भारत की बेटी अपराजिता ने भी फिल्मों में काम किया। पति की अचानक मौत के बाद उन्होंने एक्टिंग में कदम रखा था। वो रामायण में मंदोदरी बनी थीं।